* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

06 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 226

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

आइएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में भारत को गोल्ड, धनुष श्रीकांत पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में चैंपियन

BOOKING OPEN AT
SAI GREEN CITY
URUGUTTU, RANCHI

SAI GREEN CITY

A HI-TECH TOWNSHIP IN YOUR CITY

URUGUTTU DISTANCE FROM MAJOR PLACES

SI. No.	Name of Node/ Landmark	Distance (in km.)
1.	Pithoria Chowk	7.5 Km.
2.	Kathitand (Ring Road)	14.0 Km.
3.	CM House	23.0 Km.
4.	Firayalal Chowk	24.5 Km.
5.	Ranchi Railway Station	28.0 Km
6.	Ranchi Airport	32.5 Km
7.	Hatia Railway Station	31.0 Km

सबका सपना, घर हो अपना

Pre Launching Offer
01-06 to 30-06- 2023

Only INR 1 lac-Direct
Achieve Cool Club Party
1 Plot Registry- Direct
Achieve Bankok Trip

ONE TIME REGISTRY - RS. 499/ SQFT
EMI 12 MONTH- RS. 549/ SQFT
EMI 24 MONTH- RS. 599/ SQFT
NOTE - CORNER PLOTS 10% EXTRA

Office : Sri Complex, Nawadih, Ground Floor, Near Birsa Munda Park
Dhanbad -828130, Phone No. : 0326-3562018, 9546985942

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,000 रु./10 ग्राम
चांदी	76,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 06 जून, 2023
www.azadsipahi.in

इतना असहिष्णु तो कभी नहीं था पश्चिम बंगाल

■ 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के मुद्दे पर ममता सरकार सवालों के घेरे में

■ अभिव्यक्ति की आजादी की बात करनेवाले अब फिल्म निर्देशक के पीछे पड़े

■ समाधान की तलाश है जरूरी, समस्या छिपाने से मकसद पूरा नहीं हो सकता

भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक राजधानी कहे जानेवाले पश्चिम बंगाल में इन दिनों फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के मुद्दे पर हलचल मची हुई है। निर्देशक सनोज मिश्र की इस फिल्म का अभी ट्रेलर ही रिलीज हुआ है, लेकिन इसने ममता बनर्जी को अशांत कर दिया है। 'कश्मीर फाइल्स' और 'द केरल स्टोरी' के बाद यह तीसरी फिल्म है, जिसके खिलाफ ममता बनर्जी सरकार खुल कर सामने आ गयी है। पिछले ही महीने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घृणा और हिंसा की किसी भी घटना से बचने और राज्य में शांति बनाये रखने के लिए 'द केरल स्टोरी' फिल्म दिखाने पर रोक लगा दी थी, हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले पर रोक लगा दी थी। फिल्मों के प्रति सरकार की यह असहिष्णुता से बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि आखिर अभिव्यक्ति की आजादी की सबसे अधिक पैरवी करनेवाले पश्चिम बंगाल में फिल्मों के प्रति इतनी असहिष्णुता कब और कैसे पैदा हो गयी। आज स्थिति यह हो गयी है कि अभिव्यक्ति की आजादी पर सबसे अधिक पहरा पश्चिम बंगाल में ही है। दुनिया भर में इस बात पर अचरज व्यक्त किया जा रहा है कि बौद्धिक और सांस्कृतिक सृजन की भूमि पश्चिम बंगाल को इस तरह अशांत क्यों कर दिया गया है। ममता सरकार के इस रवैये के खिलाफ अब आवाज उठाने का वक्त आ गया है। आज सच बोलने वालों का गला घोंटने की घटनाओं को देश के सामने लाने की सबसे ज्यादा जरूरत है। वास्तव में राजनीति के इस कुत्सित खेल ने पश्चिम बंगाल की गौरवमयी संस्कृति और परंपरा को मिटा दिया है। कला-संस्कृति, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान, धर्म, सिनेमा आदि क्षेत्रों में दुनिया में विशेष पहचान रखने वाला बंगाल आज राजनीतिक हिंसा, जीवित-मृत इंसानों की तस्करी, पशु-पक्षियों की तस्करी, सोना-चांदी और मादक पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी के अड्डे के तौर पर जाना जाता है। 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के खिलाफ राज्य सरकार के फैसले की पृष्ठभूमि में पश्चिम बंगाल के बदलते स्वरूप के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

केरल में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर उनका धर्मांतरण कराकर उन्हें इस्लामी आतंकवाद के कुएं में धकेलने के मुद्दे पर बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' पर सेकुलर गिरोह का हंगामा अभी थमा भी नहीं है कि एक नयी फिल्म को लेकर वितंडा शुरु हो गया है। यह नयी फिल्म है 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल'। इस फिल्म का ट्रेलर अप्रैल माह के आखिर में जारी हुआ था। एक माह बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने यह कहते हुए फिल्म के निर्देशक सनोज मिश्रा को नोटिस थमाकर तलब कर लिया कि यह फिल्म पश्चिम बंगाल को बदनाम करती है। मानो सच को सच दिखाना अपराध हो। यह अलग बात है कि सनोज मिश्रा ने फिलहाल पश्चिम बंगाल पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए एक माह की मोहलत ले ली है। पश्चिम बंगाल सरकार की यह कार्रवाई इस तथ्य के बावजूद है कि 'द केरल स्टोरी' के प्रदर्शन पर राज्य में प्रतिबंध लगाने के राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ पलट दिया, बल्कि राज्य सरकार को बहुत लताड़ भी लगायी।

क्या है 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के ट्रेलर में

दरअसल, 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के ट्रेलर में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल की सरकार वहां रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसा रही है। इसके अलावा इसमें हिंदुओं की हत्या और शरीयत कानून को लेकर भी दावे किये गये हैं। लखनऊ में ट्रेलर लांच करने के मौके पर फिल्म के निर्माता जितेंद्र त्यागी उर्फ वसीम रिजवी ने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में पश्चि बंगाल के हालात बेहद खतरनाक होते जा रहे हैं। वहां बड़े स्तर पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को बसाया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि वहां की सरकार रोहिंग्याओं को अपना वोट बैंक बना रही है, जिसके तहत इन लोगों के नाम आधार कार्ड और वोटर लिस्ट में डलवाये जा रहे हैं। यही कारण है कि बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में रोहिंग्या मुसलमानों की आबादी बढ़ती जा रही है। पश्चिम बंगाल में रह रहे हिंदू परिवार इनसे डरकर अपना घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। उन पर जो जुल्म किये जा रहे हैं, उसे इस फिल्म में दिखाया गया है। पश्चिम बंगाल की इस सच्चाई को

फिल्म के माध्यम से पर्दे पर उतारा गया है। लेखक-निर्देशक सनोज मिश्रा का कहना है कि उनका इरादा राज्य की छवि को खराब करना नहीं है। उन्होंने फिल्म में केवल तथ्य दिखाये हैं, जिन पर गहन शोध किया गया है। करीब दो मिनट 12 सेकेंड के ट्रेलर में पश्चिम बंगाल के हालात की कश्मीर से तुलना की गयी है। बंगाल से सटी बांग्लादेश की सीमा से रोहिंग्या मुसलमानों को कांटेदार बाड़ को पार करके पश्चिम बंगाल में प्रवेश करते दिखाया गया है। राज्य में अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण की राजनीति और इससे अन्य समुदायों को हो रही समस्या दिखायी गयी है। ट्रेलर में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य में सीएए और एनआरसी लागू करने का विरोध करते दिखाया गया है।

निर्देशक ने कहा, मुझे जेल में मारा जा सकता है

आरसीपीसी की धारा 41 के तहत प्राप्त नोटिस के संबंध में निर्देशक सनोज मिश्रा ने कहा कि वह आतंकवादी नहीं हैं। उन्होंने कोई असंवैधानिक काम नहीं किया है। यह फिल्म सत्य घटनाओं पर आधारित है। उनके खिलाफ प्राथमिकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप है। उन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस ने तलब किया है। वहां जेल में उन्हें जान से भी मारा जा सकता है। सनोज मिश्रा ने एक फेसबुक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद मांगी है। सनोज ने पोस्ट में लिखा है, मेरी फिल्म 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' को बिना देखे ट्रेलर के आधार पर बंगाल पुलिस ने मेरे खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है। मुझे गिरफ्तार कर जेल में मारा जा सकता है। सच बोलने के कारण मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है।

ममता सरकार ने असहिष्णुता को बढ़ावा दिया

इन हालातों में लोगों को लग रहा है कि पश्चिम बंगाल में तो कश्मीर की तरह 'सफाई अभियान' चल रहा है। किसी राजनीतिक दल के साथ ऐसा नहीं होता कि पंचायत चुनाव में उसके सैकड़ों लोग मार दिये जायें, दर्जनों लोग पेड़ों-खंभों पर टांग दिये जायें। पश्चिम बंगाल में घुसपैठिये रोहिंग्याओं के वोटर आइडी तक बन रहे हैं। मुस्लिमों को खुश रखने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हिंदुओं की संस्कृति पर हमलावर नीतियां लागू कर रही हैं। दुर्गा पूजा पर रोक से लेकर शैक्षिक किताबों तक में मुस्लिम समाज के अनुरूप बदलाव किये जा रहे हैं।

रोहिंग्याओं को संरक्षण दे रही है सरकार

रोहिंग्याओं की भारत में घुसपैठ कराने के लिए कई गिरोह सक्रिय हैं। वे पहचान बदलकर पश्चिम बंगाल में मकान बनवा कर रहते हैं। यह कई राज्यों की एटीएस और एनआइए की कार्रवाइयों से सामने आ चुका है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रोहिंग्याओं ने पकड़े जाने पर उन्होंने खुद को पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले का निवासी बताया। उनके पास से पश्चिम बंगाल के वोटर कार्ड भी बरामद हुए। बंगाल के कूचबिहार, मालदा, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिले में रोहिंग्या वहां के मुसलमानों के बीच छिपकर रहते हैं। दार्जिलिंग समेत अन्य जगहों पर दलालों के माध्यम से तीन-चार हजार रुपये में इन्हें फर्जी प्रमाण पत्र मिल जाते हैं।

झारखंड के सीमावर्ती जिलों की डेमोग्राफी ही बदल गयी

घुसपैठ की इस समस्या के कारण झारखंड के सीमावर्ती जिलों, साहेबगंज और दुमका की डेमोग्राफी ही बदल गयी है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की सीमा से लगे इन इलाकों में हाल के दिनों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे साफ हो जाता है कि घुसपैठ बड़ी समस्या बन गयी है। लव जिहाद से लेकर सांप्रदायिक दंगों तक में घुसपैठियों की सहभागिता के कई बार प्रमाण मिल चुके हैं।

सच को दबाने की कोशिश कर रही है ममता सरकार

एआइए ने दिसंबर 2021 में दर्ज एक केस में बांग्लादेश के मुस्लिमों और रोहिंग्याओं की अवैध तस्करी का खुलासा किया। बांग्लादेश के मुस्लिमों एवं रोहिंग्याओं को भारत में लाकर उनके फर्जी दस्तावेज तैयार कराये गये। एनआइए ने इस केस को लेकर कई जगह छापे भी मारे। एक दशक में पांच लाख से अधिक बांग्लादेशी महिलाएं और बच्चे अवैध तौर पर भारत में आ चुके हैं। यहां से ये देश के कोने-कोने में फैल चुके हैं। रोहिंग्या आतंकी गुट हूजी के आसान निशाने पर भी हैं। परंतु यह सब जब फिल्म में दिखाया जाता है, तो पश्चिम बंगाल सरकार इस सच को दबाने के लिए अभिव्यक्ति पर आघात करने से नहीं चूकती।

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 24 जून को

आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन 25 जून को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 24 जून को और इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय और नेतरहाट की तर्ज पर अन्य आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन 25 जन को आयोजित है। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के लिए पांच जून तक ही आवेदन कर सकते हैं साथ ही आवासीय विद्यालयों के लिए नौ जून तक आवेदन किये जा सकते हैं। हर स्कूल से कम से कम 15 छात्र-छात्राओं को आवेदन कराया जा रहा है। सभी प्रक्रियाओं के लिए शिक्षा विभाग अपने स्तर पर तैयारियां कर रहा है। वहीं स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव के. रवि कुमार ने इसकी समीक्षा की थी। के. रवि कुमार ने समीक्षा के दौरान कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये हैं। बताया गया कि सभी प्रवेश परीक्षा जैक की तरफ से ली जायेगी। शिक्षा सचिव ने जिलों को निर्देश दिया है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं को इसके लिए आवेदन करवाया जाये ताकि प्रतियोगिता टक्कर की हो उन्होंने कहा है कि जानकारी के अभाव में बहुत सारे बच्चे आवेदन नहीं कर पाते हैं और परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते हैं। बता दें कि सीएम मेरिट स्कॉलरशिप के तहत हर साल 5000 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जाती है। छात्रों का चयन परीक्षा के आधार पर किया जाता है। हर जिले से 400 स्टूडेंट का चयन होता है। चयनित सभी स्टूडेंट्स को क्लास 9 से 12वीं तक 12 हजार वार्षिक छात्रवृत्ति दी जायेगी। बता दें कि क्लास 9 से 11 वीं तक आयोजित होने वाली प्रत्येक वार्षिक परीक्षा में संबंधित स्टूडेंट्स को 50 फीसदी अंक लाना होता है। तभी आगामी वर्ष के लिए वे छात्रवृत्ति पाने के योग्य माने जायेंगे। किसी भी क्लास चाहे वह नौ, 10 या 11 में 60 फीसदी अंक लाने में असफल होते हैं तो उन्हें अगले साल से इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जिनका सेलेक्शन इस स्कॉलरशिप के लिए होता है वह राज्य के किसी भी स्कूल चाहे वह सीबीएसइ, आइसीएससी से उसमें नामांकन ले सकते हैं। गैर आवासीय विद्यालय राज्य सरकार से संचालित आवासीय विद्यालय के अतिरिक्त पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप की पूरी राशि मिलेगी। जबकि वैसे स्टूडेंट जो सरकार के किसी रेजिडेंशियल स्कूल में पढ़ते हैं उन्हें स्कॉलरशिप की 50 फीसदी राशि ही मिलेगी। परीक्षा दो सेक्शन होगी। हर खंड 90 मिनट का होगा। इसमें एमसीक्यू टाइप सवाल पूछे जायेंगे।

सेक्शन वन में मेंटल एबिलिटी टेस्ट के तहत 90 सवाल होंगे। जिसमें रिजनिंग, इंग्लिश और हिंदी से सवाल पूछे जायेंगे। वहीं बच्चों की तार्किक क्षमता को जांचने के लिए रिजनिंग के तहत एनालॉग, क्लासिफिकेशन, न्यूमेरिकल सीरीज, पैटर्न परसेप्शन और हिडेन फिगर से जुड़े सवाल होंगे। क्वेश्चन का लेवल क्लास सातवीं-आठवीं क्लास स्तर का होगा। वहीं सेक्शन टू में स्कॉलास्टिक एप्टीट्यूड टेस्ट होगा। इसमें साइंस, सोशल साइंस और मैथ से 30-30 सवाल पूछे जायेंगे। सभी सवाल क्लास सात और आठ का होगा। सेलेक्शन के लिए परीक्षा में 60 फीसदी अंक लाने होंगे। वहीं दोनों सेक्शन में 40-40 फीसदी अंक होना अनिवार्य है।

बालासोर रेल दुर्घटना में दोषी तत्वों पर सख्त कार्रवाई जरूरी : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि ओड़िशा के बालासोर में हुई भीषण रेल दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसके लिए जिम्मेदार दोषी तत्वों की पहचान कर उसे सख्त सजा दी जानी चाहिए।

तिर्की ने कहा कि सरकार की दोषपूर्ण नीति के कारण इतनी भीषण दुर्घटना हुई है और इसके लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को अपनी जवाबदेही लेनी चाहिए।

तिर्की ने कहा कि इस दुर्घटना में झारखंड के मृतकों की संख्या चार और घायलों की संख्या 61 बतायी जा रही है, लेकिन उन्होंने यह आशंका जतायी कि झारखंड के हताहतों की संख्या और भी ज्यादा हो सकती है।

क्योंकि हावड़ा से बेंगलुरु, यशवंत नगर जाने वाली ट्रेनों के साथ ही कोरोमंडल एक्सप्रेस में भी यात्रा करने वाले वैसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है जो झारखंड के होते हैं। तिर्की ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार की ओर से एक उच्चस्तरीय दल को बालासोर में भेजकर झारखंड के पीड़ितों को राहत पहुंचाने का अभियान शुरू कर दिया है।

तिर्की ने केंद्र सरकार विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह मांग की है कि बालासोर दुर्घटना को देखते हुए उच्च स्तरीय बैठक कर रेलवे सुरक्षा की समीक्षा करने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई की जाये। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की है कि, इस मामले पर सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर सरकार को सभी को विश्वास में लेना चाहिए।

सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस की दी शुभकामनाएं

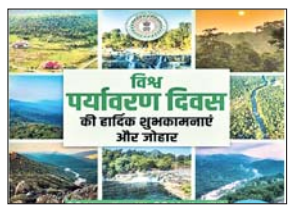

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि सदियों से आदिवासी जीवन मूल्यों का केंद्र रहा है। प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण इन्हीं मूल्यों को आत्मसात कर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुंदर और स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार।

बाबूलाल ने इडी और सीबीआइ से कहा, देवघर में भू-माफियाओं पर लगाम नहीं, इनको रोकिए

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने देवघर में हो रहे जमीन घोटाले को लेकर कई खुलासे किये हैं। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रहा है कि रांची की तरह देवघर में भी बड़े पैमाने पर जमीन घोटाला हुआ है और हो रहा है। दस्तावेजों की हेराफेरी कर इस काले धंधे को बढ़ावा दिया जा रहा है।

देवघर में दो दशक पहले से ही यहां के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सीमावर्ती राज्यों के दर्जनों भू-माफिया दस्तावेजों में छेड़-छाड़ कर जमीन की हेराफेरी कर रहे हैं। अभी हाल ही में एम्स और एयरपोर्ट की स्थापना से सीमावर्ती राज्यों के भू-माफिया और सक्रिय हो गये हैं। यहां के जमीन घोटाले के कुछ मामलों की जांच सीबीआइ कर रही है फिर भी जमीन घोटाले का गोरखधंधा जोरों पर है। आगे पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर में हो रहे जमीन घोटाले का गोरखधंधों का अंतरराज्यीय संबंध रांची की तरह बंगाल से है और इस घोटाले में पूर्व में पदस्थापित कई अंचलाधिकारी और वर्तमान में पदस्थापित अंचलाधिकारी सहित कई बड़े-बड़े पदाधिकारियों की भूमिका संलिप्त है, जिसकी जांच जरूरी है। कोलकाता जैसे अन्य महानगरों में भी जमीन डिसमील और कट्ठा के हिसाब से खरीद-बिक्री होता है। लेकिन हमारे झारखंड राज्य के बाबा नगरी देवघर में माफियाओं और दलालों की कारनामों से जमीन की खरीद-बिक्री के लिए प्रति स्कवॉयर फीट के हिसाब से रेट तय होता है। इसलिए मैं सीबीआइ और इडी से अनुरोध करता हूं कि रांची की तरह देवघर में दस्तावेजों की हेराफेरी कर हो रहे जमीन घोटाले की विस्तार से जांच का काम करें ताकि घोटालेबाजों को सजा मिल सके।

www.epaper.azadsipahi.in

06 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 226

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

नवंबर में बन जायेगा बुर्ज खलीफा से भी ऊंचा मंदिर, वृंदावन में चल रहा निर्माण कार्य

दुबई जा रही अभिषेक बनर्जी की पत्नी को कोलकाता एयरपोर्ट पर रोका गया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी को सोमवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे दुबई जा रही थीं। सुबह 7 बजे उनकी फ्लाइट थी। उसमें सवार होने के लिए वे सुबह करीब 6:30 बजे दमदम स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं, लेकिन उन्हें प्लेन में सवार नहीं होने दिया गया।

बालू कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

इडी का धनबाद और हजारीबाग में छापा

- बिहार के औरंगाबाद में बालू खनन से जुड़ा है मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग/धनबाद। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने फिर एक बार दबिश बढ़ा दी है। राज्य के धनबाद और हजारीबाग जिले में सोमवार को अहले सुबह इडी के अधिकारियों ने कई कारोबारियों के आवास पर छापा मारा। ये सभी बालू कारोबार से जुड़े हैं। जानकारी के मुताबिक इडी की टीम ने धनबाद में कारोबारी जग नारायण सिंह, सुरेंद्र जिंदल, अशोक जिंदल और कुंज सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की। वहीं, हजारीबाग में मिशन रोड स्थित कारोबारी संजय सिंह के घर पर भी इडी के अधिकारी पहुंचे। जानकारी के मुताबिक इडी बिहार के औरंगाबाद बालू खनन मामले में छापा मार रही है। हालांकि इडी की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हजारीबाग में क्रिकेट संघ के सचिव संजय सिंह के आवास पर छापा

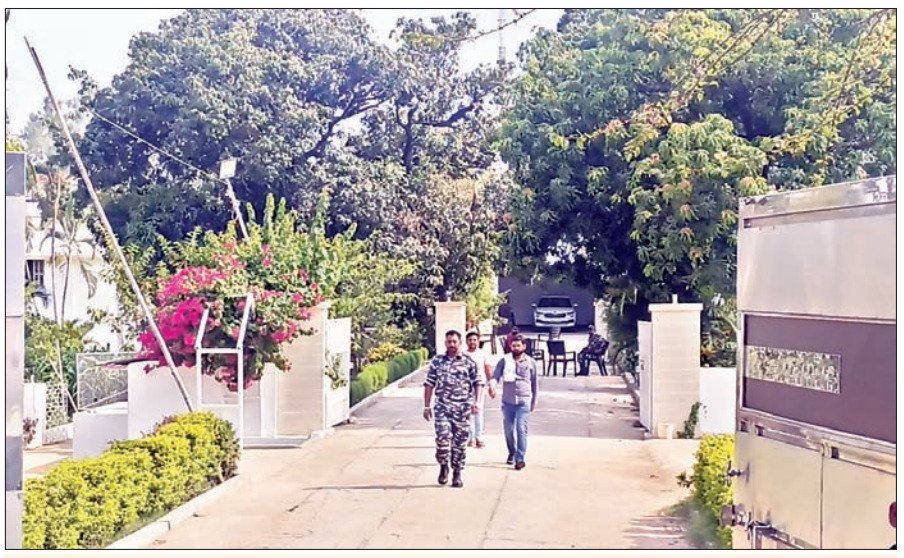

सुबह सात बजे संजय सिंह के आवास पर पहुंचे इडी के अधिकारी

हजारीबाग के मिशन रोड स्थित कारोबारी संजय सिंह के आवास पर इडी ने सुबह सात बजे दबिश दी। पांच सदस्यीय इडी टीम दो गाड़ियों से पहुंची और सीधे घर के अंदर चली गयी। बताया जा रहा है कि संजय सिंह बालू के साथ अन्य कारोबार भी करते हैं। बालू कारोबार से जुड़े मामले में उनके यहां छापेमारी हुई है। इडी की टीम ने उनके यहां सारा दिन कागजातों को खंगाला और जब्त किया। जानकारी के मुताबिक संजय सिंह हजारीबाग क्रिकेट संघ के सचिव भी हैं। वह आरा के कोइलवर के रहनेवाले हैं। इनके बड़े भाई राजीव सिंह मणिपुर में डीजीपी हैं। संजय सिंह का बिहार और झारखंड के कई राजनेताओं और कारोबारियों से संबंध रहा है। संजय सिंह मुखिया भी रह चुके हैं।

सीबीआइ ने ओड़िशा ट्रेन हादसे की जांच शुरू की

- प्रत्यक्षदर्शियों को खड़गपुर बुलाया गया
- सभी के बयान किये जायेंगे दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणा के बाद ओड़िशा रेल हादसे की जांच सीबीआइ ने सोमवार को शुरू कर दी। सीबीआइ की एक टीम सोमवार सुबह खड़गपुर पहुंची। वहां मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के कार्यालय से जांच की शुरुआत की गयी। जांचकर्ताओं ने इस जांच के लिए प्रत्यक्षदर्शियों को खड़गपुर बुलाया है। सीबीआइ सूत्रों के मुताबिक बालेश्वर, बहनागा बाजार और भुवनेश्वर रेलवे स्टेशनों के कुछ अधिकारियों को सोमवार को ही खड़गपुर आने को कहा गया था। इसके साथ ही हादसे के चश्मदीद और कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ यात्रियों को भी तलब किया गया है। घटना के दिन वास्तव में क्या हुआ, इस बारे में उनके बयान दर्ज किये जायेंगे। उसके बाद सीबीआइ इस बात को देखेगी कि हादसा किस वजह से हुआ।

कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे की प्रारंभिक जांच के बाद रेलवे ने कहा है कि हादसे की वजह सिग्नल फेल होना था, लेकिन रविवार सुबह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ संकेत दिया कि हादसे के पीछे साजिश है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने सरकार से सीबीआइ जांच की सिफारिश की है। फिलहाल केंद्रीय एजेंसी ने निर्देश के मुताबिक जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार की शाम हुई दुर्घटना के लिए गलती किसकी थी, इसकी जांच की जा रही है। हादसे में अब तक 288 लोगों की मौत हो चुकी है।

हादसे के 51 घंटे बाद ट्रैक पर परिचालन शुरू

पहली ट्रेन गुजरी तो रेल मंत्री ने हाथ जोड़े

ममता ने दी श्रद्धांजलि आज जायेंगी कटक

भुवनेश्वर/बालासोर। ओड़िशा के बालासोर में ट्रेन हादसे वाले ट्रैक की मरम्मत का काम पूरा हो गया है। हादसे के 51 घंटे बाद इस ट्रैक से जब पहली ट्रेन रवाना की गयी, तब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हाथ जोड़ कर खड़े दिखे। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई। हमारा लक्ष्य लापता लोगों को खोजना है। यह कहकर वह भावुक हो गये। रेल मंत्री हादसे के बाद से ही बालासोर के बहानगा बाजार स्टेशन पर राहत-बचाव और ट्रैक रिपेयरिंग की निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शनिवार को बालासोर का दौरा करने के बाद रेल मंत्री से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़े अपडेट्स ले रहे थे। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को हावड़ा में ओड़िशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। वह मंगलवार को कटक और भुवनेश्वर जायेंगी। यहां वह हादसे में जान गंवाने वाले बंगाल के लोगों के परिजन और घायलों से मुलाकात करेंगी। बुधवार को ममता हादसे में मरने वालों के परिजनों को आर्थिक मदद के रूप में पांच-पांच लाख रुपये का चेक और परिवार के सदस्य को होमगार्ड की नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र देंगी। वह हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को 50-50 हजार और मामूली रूप से घायल लोगों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक मदद देंगी।

निलंबित आइएएस पूजा सिंघल की न्यायिक हिरासत अवधि 15 तक बढ़ी

- इडी कोर्ट ने सीए सुमन कुमार और अन्य की भी हिरासत अवधि बढ़ायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रिम्स में इलाजरत निलंबित आइएएस पूजा सिंघल की पेशी सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के कोर्ट में नहीं हो सकी। इडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने पूजा सिंघल की न्यायिक हिरासत की अवधि 15 जून तक के लिए बढ़ा दी है। इसी मामले में आरोपी सीए सुमन कुमार, खूंटी के तत्कालीन सहायक अभियंता शशि प्रकाश और पूर्व जेइ राम विनोद प्रसाद सिन्हा की पेशी सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से इडी कोर्ट में हुई। कोर्ट ने इन तीनों की न्यायिक हिरासत की अवधि भी 15 जून तक बढ़ा दी है।

बता दें कि गत 10 अप्रैल को पूजा सिंघल के खिलाफ कोर्ट ने आरोप गठित कर दिया था। इसके

अलावा सीए सुमन कुमार और खूंटी के तत्कालीन सहायक अभियंता शशि प्रकाश के खिलाफ भी आरोप गठित हुआ था। इन सभी के खिलाफ पूर्व में चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। राम विनोद प्रसाद सिन्हा के खिलाफ कोर्ट पूर्व में आरोप गठित कर चुकी है, जबकि पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सितंबर माह में होनी है। फिलहाल पूजा सिंघल न्यायिक हिरासत में हैं और बीमार होने के कारण रिम्स में इलाजरत हैं।

दिनेश गोप की एक दिन की रिमांड बढ़ी

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप को फिर से एक दिन की रिमांड पर लिया है। दिनेश गोप को 12 दिनों की पूछताछ के बाद सोमवार को एनआइए कोर्ट में पेश किया गया। एनआइए ने दिनेश गोप को 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद 22 मई को उसे अदालत में पेश किया गया था। उस समय एनआइए ने उसे आठ दिनों की रिमांड पर लिया था। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में उसने कई खुलासे किये हैं। इसके आधार पर कई जगहों पर छापेमारी की गयी थी। भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद हुए। सोमवार को एनआइए ने कोर्ट से दिनेश गोप से पूछताछ के लिए और एक दिन की रिमांड मांगी, जिसकी कोर्ट ने मंजूरी दे दी। अब एनआइए दिनेश गोप से एक दिन और पूछताछ कर सकेगी। दिनेश की रिमांड अवधि दूसरी बार बढ़ी है।

32 साल बाद सुनाया गया फैसला

अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी को उम्रकैद

- कांग्रेस के पूर्व विधायक के भाई को मारी थी गोली

आजाद सिपाही संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के अवधेश राय हत्याकांड में सोमवार को मुख्तार अंसारी को एमपीएमएलए कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनायी। कोर्ट ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट का यह फैसला करीब 32 साल बाद आया है।

अवधेश राय कांग्रेस के पूर्व विधायक अजय राय के भाई थे। मुख्तार अभी बांदा जेल में बंद है। सुनवाई के दौरान उसको वर्चुअली पेश किया गया। वादी पक्ष के वकील ने बताया कि कोर्ट ने मुख्तार को धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए सजा सुनायी है। एमपीएमएलए कोर्ट के फैसले के बाद मुख्तार के वकील अखिलेश उपाध्याय ने कहा कि इस फैसले में कई कमियां हैं। इसके खिलाफ हाइकोर्ट जायेंगे। वहीं, अभियोजन के वकील अनुज यादव ने कहा कि फांसी की सजा की उम्मीद थी, लेकिन हम फैसले से संतुष्ट हैं। अगर मुख्तार पक्ष हाइकोर्ट जायेगा, तो हम वहां भी इसी दम-खम के साथ केस लड़ेंगे।

गौलतलब है कि मुख्तार इस समय बांदा जेल में बंद है, जबकि दूसरे आरोपी भीम सिंह को गैंगस्टर के एक मामले में 10 साल की सजा हुई है। वह गाजीपुर जेल में बंद है। दो अन्य आरोपी कमलेश सिंह और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम की मौत हो चुकी है। पांचवें आरोपी राकेश ने इस मामले में अपनी फाइल मुख्तार से अलग करवा ली थी। उसका केस प्रयागराज सेशन कोर्ट में चल रहा है। बताते चलें कि लगभग नौ महीनों में मुख्तार को पांच बार सजा सुनायी जा चुकी है।

मणिपुर में फिर हिंसा, विधायक का घर जलाया

काकचिंग जिले में एक सौ घर फूंके : लूटे गये अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गयी है। काकचिंग जिले के सेरो गांव में कुछ लोगों ने एक सौ घरों में आग लगा दी। इसमें कांग्रेस विधायक रंजीत सिंह का घर भी शामिल है। राज्य में 3 मई से मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच झड़प हो रही है। ताजा घटना को किस समुदाय के लोगों ने अंजाम दिया है, इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है। इस बीच सुरक्षा बलों ने सोमवार को 790 हथियार और 10 हजार 648 कारतूस और गोला-बारूद बरामद किये हैं। इन हथियारों को 3 मई को भड़के जातीय दंगों के दौरान पुलिस कार्यालयों से लूटा गया था।

बता दें कि राज्य में जारी हिंसा

में अब तक 98 लोगों की मौत हो चुकी है और 310 लोग घायल हो चुके हैं। 37 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है। हिंसा के चलते 11 से ज्यादा जिले प्रभावित हुए हैं।

घरों से लोगों को सुरक्षित निकाला गया : जानकारी के मुताबिक रविवार शाम को कुछ लोग सेरो गांव में आये और उन्होंने विधायक रंजीत के घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। विधायक और उनका परिवार बाल-बाल बच गया। हिंसक भीड़ ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद घरों से लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्हें राहत शिविर में पहुंचाया गया। फायर ब्रिगेड ने बाद में आग पर काबू पाया।

बीएसएफ यूनिट पर किया हमला : भीड़ ने जिले के ग्रामीण इलाकों में तैनात बीएसएफ के एक दल पर भी गोलीबारी की। पोस्ट पर मोर्टार से हमला किया गया। इसमें कोई जवान हताहत नहीं हुआ। पुलिस को संदेह है कि बीएसएफ पोस्ट पर हमले के लिए संदिग्ध लोगों ने चुराये गये हथियारों का इस्तेमाल किया। इस बीच सुरक्षा बलों और हिंसक भीड़ के बीच गोलीबारी की भी सूचना मिली है।

तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन : इस बीच सरकार ने हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता गुवाहाटी हाइकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अजय लांबा करेंगे। आयोग मणिपुर में हिंसा की वजह, प्रसार, दंगों की जांच करेगा और छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगा।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 06 जून, 2023
www.azadsipahi.in
04

वन पर्यावरण दिवस पर बीसा पंचायत सचिवालय मैदान में मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम

जंगलों और पहाड़ों में बसे हैं हमारे देवी-देवता इनको बचाना हमारा फर्ज : डॉ रामेश्वर उरांव

जल, जंगल जमीन को बचाने के साथ वन्य जीवों को भी बचाने की जरूरत : मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। बीसा पंचायत सचिवालय मैदान में सोमवार को वन पर्यावरण दिवस के मौके पर मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पूर्व मुखिया सुषमा बड़ाइक ने की। संचालन उमेश बड़ाइक ने किया। मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि हमारे देवी, देवता जंगलों और पहाड़ों में बसे हैं। हम जिनकी पूजा करते हैं, उसकी रक्षा जरूर करें। आदिकाल से हम प्रकृति के पूजक रहे हैं।

वर्तमान में असंतुलित वातावरण के जिम्मेवार हम स्वयं हैं। प्रकृति हमसे हिसाब चुका रही है। जल, जंगल जमीन को बचाने के साथ वन्य जीवों को भी बचाने की जरूरत है। डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ पहाड़ों को बचाने की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जंगल को फिर से लगाये जा सकते हैं। पानी को भी आप रिस्टोर कर सकते हैं। लेकिन एक बार अगर पहाड़ नष्ट कर दिये गये, तो उसे आप कैसे संरक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि पहाड़ों पर हमारे देवता हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों का आह्वान किया कि आप किसी भी हाल में पहाड़ को नष्ट नहीं करने दें। अगर कोई उसे नष्ट करता है, तो विरोध में आप सभी वहां लेट जायें। उन्होंने कहा कि पहले हमारे जंगल इतने सघन थे कि शाम में ही वहां सियार टहलने लगते थे। सुबह में जब सियार बोलते थे, तो लोग उठ कर अपना काम करने लगते थे। पेड़ों पर चीड़ियों का बसेरा था। उनकी चहचहाहट से मन प्रसन्न हो जाता था। जंगल और पेड़ पौधे उजड़ने से उनका बसेरा खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि जंगल और पहाड़ उजड़ने के कारण ही हाथियों का उत्पात बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यह वही रांची थी, जहां जून में भी रात में कंबल ओढ़ना पड़ता था। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि कैसे वह एक बार पलामू से रांची आ रहे थे किताब खरीदने तो उनके पिता जी ने कहा कि साथ में कंबल रख लो। उस समय उन्हें यह बात अच्छी नहीं लगी। लेकिन जब वह रांची पहुंचे और रात में बगीचे में सोये, तो रात बारह बजे के बाद कंपकंपी शुरू हो गयी। तब उन्होंने उसी कंबल को ओढ़ा, जो साथ लेकर आये थे। उन्होंने उस समय पिताजी को याद किया कि उनकी बात कितनी सही थी। मंत्री रामेश्वर उरांव ने गांववालों को मड़ुवा, मकई, बाजरा की खेती से होनेवाले लाभ के बारे में भी बताया। कहा कि मोटा अनाज खाने से आप डाइबिटीज से बचे रहेंगे।

इससे पहले मंत्री रामेश्वर उरांव ने अनगड़ा में राजधानी होटल के बगल में मुखिया संघ के कार्यालय का उदघाटन किया। वहां उन्होंने ग्रामीणों को राज्य में पेशा कानून और अधिकार की बात ग्रामीणों को बतायी। उन्होंने कहा कि आप अपने अधिकार के प्रति सजग हों। सरकारी योजनाओं पर आप नजर रखें। उसके बाद उन्होंने बीसा में गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर का उदघाटन किया। गांव के ही शिक्षित युवक और टीचर गरीब बच्चों को यहां निःशुल्क कोचिंग देंगे। जो गरीब बच्चे पैसों के अभाव में कोचिंग नहीं ले पाते हैं, उनको इस स्कूल में मार्गदर्शन मिलेगा। उमेश बड़ाइक ने यह कोचिंग सेंटर के उदघाटन में रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी भी उपस्थित थे।

प्रकृति से जुड़ कर हम स्वस्थ रह सकते हैं : संजय सेठ

बीसा में बिरसा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सांसद संजय सेठ ने कहा कि प्रकृति से जुड़ कर हम स्वस्थ रह सकते हैं। उन्होंने लोगों को एक पौधा लगाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि हमें हमारी पीढ़ी के लिए स्वस्थ वातावरण और माहौल देना है। कोरोना ने हमें बताया है कि पेड़-पौधे कितने जरूरी हैं। कोरोना काल में जहां कोरोना महामारी के रूप में दिखा, वहीं उसके प्रकोप से गांव बचे रहे। यह सिर्फ शुद्ध वातावरण और पेड़-पौधों की हरियाली के कारण हुआ।

वन और वन्य जीव का अस्तित्व खतरे में : रामटहल चौधरी

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि मानव द्वारा वन का दोहन करने से वन और वन्य जीव का अस्तित्व खतरे में है। उसे हमें हर हाल में बचाना होगा। रामटहल चौधरी ने कहा कि यह वही रांची थी, जहां चार महीने तक बिहार सरकार के मंत्री बैठते थे और सरकार का कामकाज होता था। कार्यक्रम को पूर्व विधायक राम कुमार पाहन ने भी संबोधित किया। मेला का आयोजन ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाइक ने किया था। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह, रंधीर चौधरी, अध्यक्ष कपिल बड़ाइक, रंथा महली, फागु बेदिया, भीम महतो, रंथु भोगता, अजय महतो, प्रमोद सिंह, देवनारायण बेदिया, राजू महली, हर्षनाथ भोगता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। इसमें सिमडेगा से आये कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम देर रात तक चला।

महत्वपूर्ण न्यूज

मेकॉन में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। मेकॉन लिमिटेड और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), झारखंड राज्य केंद्र, रांची ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम, प्रतिज्ञा समारोह और बीट द प्लास्टिक पॉल्यूशन विषय पर तकनीकी वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान मेकॉन लिमिटेड के निदेशक (वित्त) मुकेश कुमार, वरिष्ठ अधिकारियों और महिला कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। हरित और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण और निर्माण के लिए एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों ने पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु स्वयं को फिर से समर्पित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीट द प्लास्टिक पॉल्यूशन विषय पर एक तकनीकी वार्ता भी आयोजित की गयी। मेकॉन के पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों और पर्यावरण के संरक्षण के उपायों के बारे में चर्चा की। जेवीएम श्यामली के विद्यार्थियों ने भी पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन एवं वक्ताओं को स्मृति चिह्न प्रदान करने के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

युवा राजद ने मनाया संपूर्ण क्रांति दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। युवा राजद ने राज्यभर में सोमवार को संपूर्ण क्रांति दिवस मनाया। रांची स्थित प्रदेश मुख्यालय में भी युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 22 से अधिक युवाओं ने पार्टी का दामन थामा। पार्टी का दामन थामने में विवेक यादव, प्रेम कुमार, अभिषेक, जितेंद्र यादव, सूरज, अनु कुमार राम, विकास, रोहित, राजा, राजीव, इम्तियाज अहमद, गुड्डू नायक, आनंद कुमार महतो, महबूब सुभानी, अनीश बनर्जी, दीपक कुमार, ललन यादव, रोहित, राजा यादव, सोहन लाल, अंश कुमार और संजय कुमार ने युवा राजद की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर रंजन कुमार यादव ने कहा कि पार्टी मुख्यालय सहित जिला और प्रखंड कार्यालय में भी संपूर्ण क्रांति दिवस मनाया जा रहा है। साथ ही बिहार में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद किया गया। जयप्रकाश नारायण ने गरीबों की लड़ाई लड़ने का काम किया। समाज में समानता और सामाजिक भेदभाव को मिटाने का काम किया।

आरएस फाउंडेशन ने पर्यावरण दिवस मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। सोमवार को आर एस फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा रांची स्थित बुकरु ग्राम में पौधा रोपण कर वर्ल्ड इंवायरनमेंट डे मनाया। इस दौरान ट्रस्ट की सदस्य डॉ रंजना स्वरुप और दीपक बंका ने संयुक्त रूप से पौधा रोपण किया और पौधे के महत्व तथा गुण को उजागर करते हुए कहा कि हर मनुष्य को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। ऐसा करने से हम अपने भविष्य को और भी बेहतर बना सकते हैं। पेड़ और पौधे की मदद से विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाइयां बना सकते हैं। पेड़ से हमें फल, फूल, पत्ते आदि प्राप्त होते हैं जो विभिन्न कार्यों में उपयोग में लाए जाते हैं । अतः पेड़ हमारे जीवन के लिए अनमोल हैं।

मां जननी ही नहीं अपितु मानव जीवन की प्रथम गुरु हैं : अंबरीश सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व हिंदू परिषद की महिला युवा शाखा दुर्गा वाहिनी की सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग धुर्वा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सहमंत्री अंबरीश सिंह ने कहा राजसत्ता हासिल करने के दृष्टि से ही धर्मांतरण, लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसे कुकृत्य झारखंड सहित संपूर्ण भारत में अभियान पूर्वक चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा धर्मांतरण से समाज में राष्ट्रांतरण हो रहा है। इसाइयों द्वारा सेवा के आड़ में निरंतर धर्मांतरण की गतिविधि को चलाया जा रहे हैं जो सनातन परंपरा के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। प्रशिक्षण वर्ग में झारखंड प्रांत के सभी जिलों से आए हुए बहनों को शारीरिक, बौद्धिक, आत्मरक्षा एवं संस्कार की विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, सामाजिक समरसता प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्र, मातृशक्ति प्रांत प्रमुख दीपा रानी कुंज, दुर्गा वाहिनी प्रांत सह संयोजिका अरुणा सारंगी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन कल

रांची (आजाद सिपाही)। 7 जून को भुरकुंडा के उत्सव मैरेज हॉल में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों, जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन में ओबीसी को 27% आरक्षण देने, वैश्य आयोग का गठन, छोटे दुकानदारों की 10 लाख तक की कर्ज माफी, वैश्य समाज के ऊपर हो रहे हमलों, 6 जुलाई को नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर महाधरना आदि सहित जिला संगठन विस्तार पर चर्चा की जायेगी। यह सम्मेलन केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग के विधायक मनीष जयसवाल, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान शंकर, डॉ विष्णु राजगढ़िया सहित कई अतिथि शामिल होंगे। इस सम्मेलन रांची के केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

राजभवन के समक्ष राशन डीलरों का धरना

रांची (आजाद सिपाही)। सोमवार को जिले भर से आये सैकड़ों राशन डीलरों ने अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष धरना दिया। इस धरने में रांची विधायक सीपी सिंह और हटिया विधायक नवीन जयसवाल भी शामिल हुए। इस दौरान जयसवाल ने कहा कि जो राशन डीलर 50 वर्षों से काम कर रहे हैं, उनका लाइसेंस परिवार के किसी सदस्य के नाम ट्रांसफर होना चाहिए। इस मौके पर डीलर संघ के जिलाध्यक्ष ज्ञान देव ने कहा कि लाभुक के घर-घर जाकर राशन बांटने काम किया गया। इसके बावजूद सरकार हमलोगों की बातें नहीं सुन रही है।

श्रीराम कथा आयोजन समिति ने राजनजी का किया भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/लातेहार। प्रख्यात श्रीराम कथावाचक राजन जी महाराज सोमवार को रांची पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर श्रीराम कथा आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा महाराज जी का भव्य स्वागत किया गया। यहां से सड़क मार्ग से राजन जी महाराज श्रीराम कथा आयोजन समिति के सदस्य प्रमोद सारस्वत के साथ लातेहार पहुंचे जहां पर आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम द्वारा संचालित होनेवाले निःशुल्क श्री अन्नपूर्णा भोजन वितरण केंद्र सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत उद्घाटन कर उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीवर्चन दिया। लातेहार आगमन पर विभिन्न व्यापारिक, सामाजिक एवं धार्मिक संस्था के सैकड़ों लोगों द्वारा महाराज जी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान राजन जी महाराज ने लातेहार में नवनिर्मित होटल व

लातेहार में निःशुल्क श्री अन्नपूर्णा भोजन वितरण केंद्र सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का उद्घाटन

बैंक्वेट हॉल श्रीराम वाटिका का उद्घाटन भी किया। लातेहार से पुनः सड़क मार्ग से रांची एयरपोर्ट पहुंचकर महाराज श्री कोलकाता के लिए रवाना हो गये। आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम के रामनाथ अग्रवाल और अमित किशोर अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक सोमवार और शनिवार को हमारे आश्रम द्वारा निःशुल्क अन्नपूर्णा प्रसाद वितरण किया जायेगा। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रीराम कथा आयोजन समिति के सदस्य प्रमोद सारस्वत, प्रेमचंद श्रीवास्तव, धर्मेंद्र तिवारी, रामनाथ अग्रवाल, अमित किशोर अग्रवाल, झारखंड चैंबर के महासचिव डॉ अभिषेक रामाधीन, जिमी बाथवाल, आशुतोष द्विवेदी सहित अन्य रामभक्त मौजूद थे।

सीसीएल में धूमधाम से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आयोजित पर्यावरण कार्यक्रम में सीसीएल केनिदेशक (कार्मिक), हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (वित्तक), पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) बी. साईराम, सीवीओ, पंकज कुमार, विभागाध्यरक्ष (पर्यावरण) राज कुमार सहित विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशकगण एवं सीवीओ द्वारा पर्यावरण ध्वज को फहराया गया। इस अवसर पर कर्मियों ने मिशन लाइफ के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का शपथ लिया। इसके उपरांत निदेशकगण एवं सीवीओ ने पौधारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अवसर विशेष पर

निदेशक (वित्ती), पवन कुमार मिश्रा ने अध्यक्ष, कोल इंडिया, प्रमोद अग्रवाल का पर्यावरण संदेश पढ़कर सभी को सुनाया एवं सभी से पर्यावरण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) बी.साईराम ने उपस्थित सभी को पर्यावरण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हम दैनिक जीवन में अपने छोटे-छोटे योगदान देकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वहपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीसीएल द्वारा खनन के उपरांत वृहद स्तर पर पौधारोपण कर ईको पार्क को विकसित किया जाता है। सीसीएल हर वर्ष अपने कमांड क्षेत्रों में वृहद स्तर पर पौधारोपण करता है।

इस वर्ष भी 220 हेक्टेहयर भूमि पर पौधारोपण करने का लक्ष्य है। निदेशक (कार्मिक), हर्ष नाथ मिश्र ने सभी से पर्यावरण में अपना योगदान अधिक से अधिक देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर विस्तापर से चर्चा करते हुए आग्रह किया कि आप स्वयं भी आगे बढ़कर पर्यावरण संरक्षण पर कार्य कर सकते हैं। निदेशक (वित्त), पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि अपने जीवन में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि स्थान देना होगा ताकि हमारी अगली पीढ़ी पर्यावरण का लाभ ले सकें। सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि जल, वायु जीवन के लिए अति आवश्यक है और हमें इसे अगली पीढ़ी के लिए सहेज कर रखना है। उन्होंने कहा कि उन्नति के साथ-साथ पर्यावरण भी जरूरी है।

हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के सभी पहलुओं पर ध्यान देना होगा। पर्यावरण दिवस के अंतर्गत आयोजित विभिन्नन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। ज्ञातव्य हो कि कमांड क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पौधा एवं जूट बैग का वितरण किया गया मंच संचालन मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण), संगीता ने किया।

पर्यावरण संरक्षण के महत्व को सभी समझें: राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को राजभवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना चाहिए। पर्यावरण दिवस पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता व प्रतिवद्धता को व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना है। लोगों को स्वयं के साथ अन्य को भी पर्यावरण के महत्व के संदर्भ में अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं, उसे कहीं भी फेंक देते हैं, नदियों प्रदूषित हो रही है। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक को अपने व्यवहार में अपनाने की अपील की साथ ही स्वच्छता की दिशा में ध्यान देने हेतु कहा। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, कुलपति विरसा कृषि विश्वविद्यालय डॉ ओएन सिंह समेत बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण और एनएसएस के स्वयंसेवकगण उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य का वृद्ध से विशिष्ट संबंध रहा है। यहां हर्षोल्लास के साथ सरहुल पर्व मानाया जाता है, जिसमे वृक्ष की पूजा की जाती है।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस, विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित की गयी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने विश्व पर्यावरण दिवस की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन-इकोसिस्टम रीस्टोरेशन शीर्षक पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए पर्यावरण की महत्ता तथा आवश्यकता पर सविस्तार प्रकाश डाला। उन्होंने जल, वायु, जीवन और पर्यावरण के प्रति घटित घटनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन और कर्तव्यों के बारे में जानकारियां प्रदान की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति क्रमिक विकास के काल खंडों के प्राथमिकताओं, नीतियों आदि की विस्तृत चर्चा करते हुए जलवायु परिवर्तन सहित सभी पर्यावरणीय संसाधनों को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित रखने की अपील की। पर्यावरणीय समस्याओं की चर्चा करते हुए उन्होंने ओजोन लेयर, ग्लोबल वार्मिंग, क्योटो प्रोटोकॉल, ग्रीन हाउस गैस, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के दुष्परिणाम आदि की विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने सभी से पर्यावरण के हरसंभव रक्षा के साथ-साथ प्लास्टिक मुक्त परिसर, परिवार एवं क्षेत्र को बनाने की अपील की। कार्यक्रम का विषय प्रवेश एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ संजीव कुमार सिन्हा ने कराया। संचालन डॉ आरोही आनंद तथा धन्यवाद ज्ञापन नर्सिंग ट्यूटर प्रफुल्लो बरजो के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ संदीप कुमार, प्रो एसबी डंडीन, हरि बाबू शुक्ला, आशुतोष द्विवेदी, डॉ आर एम झा, डॉ नीतू सिंघी, डॉ भारद्वाज शुक्ल, आदित्य रंजन, सुभाष नारायण शाहदेव, राहुल रंजन, आशीष, सभी एनएसएस स्वंसेवक, प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

झारखंड हाइकोर्ट के नये भवन में 12 जून से संचालित होंगे सभी कोर्ट

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट के नये भवन में सभी कोर्ट 12 जून से धुर्वा स्थित बिल्डिंग से संचालित होंगे। डोरंडा स्थित पुराने हाइकोर्ट की जगह अब कोर्ट की कार्यवाही धुर्वा स्थित नये भवन से संचालित की जायेगी। इस संबंध में झारखंड हाइकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मोहम्मद शाकिर ने आदेश जारी करते हुए राज्य सरकार के सभी विभागों, केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों इत्यादि को पत्र लिखकर सूचित किया है। 600 करोड़ की लागत से बने झारखंड हाइकोर्ट के नये भवन का उद्घाटन हाल में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। नये हाइकोर्ट बिल्डिंग में तमाम आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। पुराने हाइकोर्ट भवन से कोर्ट के सारे महत्वपूर्ण दस्तावेज इत्यादि नये हाइकोर्ट भवन में शिफ्ट भी किये जा रहे हैं।

चोरी के 101 सिलिंडर बरामद, चार गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। नामकुम थाना पुलिस ने चोरी के 101 पीस गैस सिलिंडर बरामद करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सुखेदवनगर निवासी बिट्टू कुमार, बरियातू निवासी रमेश कुमार, कोकर तिरिल निवासी निशांत कुमार और बरियातू निवासी पंकज कुमार शामिल है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने सोमवार को नामकुम थाने में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि खरसीदाग ओपी के एचपी गैस गोदाम कुटियातू से 39 पीस गैस सिलिंडर चोरी होने पर गैस गोदाम के मालिक ने चार जून को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। चोरी की घटना को लेकर थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने अनुसंधान के क्रम में मिले गुप्त सूचना के आधार पर चोरी की घटना में शामिल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। चोरी किये गये 39 सिलिंडर तथा अन्य 62 सिलिंडर भी इनके निशानदेही पर बरामद किये गये है।

आजसू प्रतिनिधिमंडल ने पथ निर्माण विभाग के सचिव से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू प्रखंड के कांची नदी पर बने उच्चस्तरीय हारिन पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने, क्षतिग्रस्त पुल का अतिशीघ्र मरम्मतीकरण, पुल के नीचे से बालू का अवैध खनन रोकने एवं नये पुल के निर्माण के संबंध में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो के नेतृत्व में आजसू पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने पथ निर्माण विभाग, झारखंड सरकार के मुख्य सचिव सुनील कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। सचिव सुनील कुमार द्वारा तत्काल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बरसात से पहले ही क्षतिग्रस्त पुल का मरम्मती कार्य कराया जाये और निमार्णाधीन पुल की जांच कर विभाग को विस्तृत जानकारी दी जाये। ज्ञापन सौंपने वालों में आजसू पार्टी प्रतिनिधिमंडल की ओर से सोनाहातू पश्चिमी जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष चितरंजन महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य वीणा मुंडा, केंद्रीय सचिव सुनील सिंह, संजय कुमार महतो, पंचायत प्रभारी रामु सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान देवेंद्र सिंह मुंडा, समाजसेवी महादेव महतो, प्रखंड अध्यक्ष सोनाहातू पश्चिमी सुषेण प्रमाणिक, प्रखंड अध्यक्ष सोनाहातू पूर्वी रमेश सिंह मुंडा, बुद्धिजीवी मंच के तुलसी महतो, छात्र नेता गदाधर महतो, देवाशीष महतो, पंकज कुमार महतो, अक्षय महतो, अशोक कुमार महतो, प्रमोद चंद्र महतो मुख्य रूप से शामिल थे।

डोरंडा महाविद्यालय रांची में पौधरोपण

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर डोरंडा महाविद्यालय, रांची, में एनएसएस इकाई द्वारा सोमवार को पौधरोपण सहित कई कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने अपने संबोधन में कहा की पर्यावरण को संरक्षित रखने की जिम्मेवारी हम सबों की है और महाविद्यालय परिसर को अधिक से अधिक हरा भरा और पेड़ पौधे लगाने पर जोर दिया। कार्यक्रम संचालन एनएसएस पदाधिकारी सह कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर कंचन मुण्डा,डॉत एमलिन, प्रोत शालिनी द्वारा किया गया एवं एनएसएस स्वयंसेवक रेखा कुमारी, शशांक, गोलू श्रुति ऋषभ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

यूनियन मुस्कान ग्राहक परिचर्चा कार्यक्रम

रांची (आजाद सिपाही)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शनिवार को यूनियन मुस्कान-ग्राहक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यूनियन मुस्कान योजना के बारे में ग्राहकों को विस्तार से बताया गया तथा यूनियन मुस्कान योजना के ग्राहक बच्चों हेतु चित्रकारी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 0-18 वर्ष आयुवर्ग के 48 बच्चे तथा उनके अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तथा चित्रकारी (ड्राइंग) प्रतियोगिता के निर्णाय्यककर्ता के रूप में अमिताभ मुखर्जी, जो रांची शहर के प्रसिद्ध मूर्तिकार हैं। कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रमुख बैजनाथ सिंह, उप अंचल प्रमुख आलोक कुमार, उप अंचल प्रमुख वीके रॉय, क्षेत्र प्रमुख सोनालिका, उप क्षेत्र प्रमुख अरुण कुमार मंडल, उप क्षेत्र प्रमुख विभाष कुमार मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक दीपमाला लकड़ा तथा अंचल एवं अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तथा निर्णायककर्ता द्वारा 0-6, 7-10, 11-18 वर्ष के आयुवर्ग में सर्वश्रेष्ठ चित्रकारी करने वाले पांच सर्वश्रेष्ठ चित्रकार बच्चों का चयन किया गया तथा आदरणीय अंचल प्रमुख बैजनाथ सिंह द्वारा पांच सर्वश्रेष्ठ चित्रकार बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी प्रतिभागी बच्चों कों भी प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

आइएसएम पुंदाग में संगोष्ठी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईं एस एम पुंदाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा संगोष्ठी आयोजित किया गया। छात्र - छात्राओं ने पर्यावरण के प्रदूषण, इनके विभिन्न कारणों और इससे बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विस्तृत चर्चा की गयी। होटल मैनेजमेंट के छात्र मनदीप कुमार और शुभम कुमार ने बताया कि पर्यावण का महत्व हमारी संस्कृति और धर्मशास्त्रों से मिलता है। संस्थान के निदेशक डॉ गंगा प्रसाद सिंह ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक को जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है और आहवान किया कि अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं। विशिष्ट अतिथि डॉ.विष्णु चट्टोपाध्याय, निदेशक, मेसर्स टेक्नो - इंडिया ग्रुप झारखंड ने अपने संबोधन में कहा कि मानव प्रकृति का एक अभिन्न हिस्सा है।

सामूहिक पौधरोपण के साथ एनटीपीसी ने विश्व पर्यावरण दिवस समारोह मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/भुवनेश्वर। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची में योगदा सत्संग महाविद्यालय, रांची के नए परिसर में बड़े पैमाने पर फल देने वाले पौधों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एमवीआर रेड्डी, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) ने इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों को पर्यावरण शपथ दिलायी। बाद में श्री रेड्डी ने पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में फल देने वाले पौधे लगाने की शुरूआत की, जिसके बाद अन्य गणमान्य लोगों ने भी किया। इस साल की थीम #बीटप्लास्टिक पॉल्यूशन थी। इस

विशेष अवसर पर, अभिजीत घोष, सचिव, श्याम पांडे, प्रधानाचार्य, योगदा सत्संग महाविद्यालय, श्रीमती पद्मा रेड्डी, अध्यक्ष, स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब (एसएलसी), टीके कोनार, जीएम (तकनीकी सेवाएं), श्रीनिवास के मूर्ति, जीएम (एचआर), अप्रुभा घोष, एजीएम (इंजीनियरिंग), श्रीमती लक्ष्मी मूर्ति, उपाध्यक्ष, एसएलसी, राजेश, सीनियर मैनेजर (इएमजी), अमित कुमार बेहरा, सीनियर मैनेजर (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन), स्कूल स्टाफ, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इसके अलावा, स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब, एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय ने आम जनता के बीच पौधरोपण को प्रोत्साहित करने के लिए आशा होम अनाथालय के निवासियों को पौधे वितरित किये। वितरण पद्मा रेड्डी, अध्यक्ष, स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में महिला क्लब की समिति सदस्यों ने भाग लिया। पर्यावरण को समर्पित विशेष दिवस पर क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने पौधरोपण को प्रोत्साहित करने के लिए परिसर में पौधरोपण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर साईं नाथ विश्वविद्यालय रांची में कार्यक्रम

रांची (आजाद सिपाही)। साईं नाथ विश्वविद्यालय रांची के एग्रीकल्चर विभाग के द्वारा सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृहद रूप से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति- प्रो डॉ एस पी अग्रवाल द्वारा विश्वविद्यालय में पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर 150 से अधिक विभिन्न फलदार और इमारती लकड़ियों से संबंधित पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने उन्नत भारत अभियान के तहत ग्राम- कुल्ही और विश्वविद्यालय के आस-पास के क्षेत्रों में जलाशयों की साफ-सफाई कर प्लास्टिक मुक्त किया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों ने विश्व पर्यावरण दिवस की थीम- प्लास्टिक प्रदूषण मारो पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आसपास के ग्रामों में रहने वाले लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के बहुउद्देश्यीय हॉल में कुलपति- प्रो डॉ एस पी अग्रवाल ने वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरणीय कार्रवाई को बढ़ावा देने में विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व के बारे में चर्चा की गयी। छात्र-छात्राओं के बीच निबंध लेखन और पोस्टर मेकिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम कृषि विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ भाग्यश्री सिंह, प्राध्यापक- डॉ कुन्दन विक्रांत, प्रो प्रज्ञा भारती, प्रो निशि, प्रो नेहा रानी, प्रो धर्मेंद्र कुमार, प्रो प्रीति कुमारी, प्रो वीणा आदि की भी सराहनीय भूमिका रही।

परिवर्तन संस्था ने 101 पौधा लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परिवर्तन संस्था ने शेयर द प्लांट, सेव द प्लेनेट मिशन के तहत सोमवार को रांची के पवित्र और प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर की परिसर में अपने वर्ष 2023 में एक लाख वृक्षारोपण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 101 पौधों का पौधरोपण किया गया। पौधरोपण के दौरान अतिविशिष्ट मान्यता रखने वाले कल्पतरू के वृक्ष का भी पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को समर्पित है। विशिष्ट अतिथि रांची के पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि पर्यावरण दिवस हमारी पृथ्वी के भविष्य के लिए हमारी

जिम्मेदारी को जागृत करता है। पौधरोपण कार्यक्रम के उपरांत संस्था की सचिव श्रेया तिवारी ने कहा कि परिवर्तन संस्था का उदेश्य है कि ऐसे पौधारोपण अभियान से सामाजिक जागरूकता पैदा हो और लोगों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा मिले। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप सेसीपी सिंह, संजीव विजयवर्गीय, अमित तिवारी, पूजा सिन्हा, अपराजिता मिश्रा, श्रेया तिवारी, जेडी गोयनका के प्रचार्य डॉ. सुनील कुमार, काजल पाठक, गौतम सिंह, अपराजिता मिश्रा, सुनील यादव, मधुकर सिंह, अरविंद कुमार, रामू प्रजापति, निशा, अमित कुमार, नितीश सिंह, अनुराग यादव, वीणा, प्रदीप यादव, संतोष साव, अभिषेक शुक्ला, विशाल यादव, रोहित आदि उपस्थित थे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में साइक्लिंग कर मनाया गया पर्यावरण दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के प्रांगण से निकलकर पूरे 5 किलोमीटर तक साइक्लिंग कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। इस दौरान छात्र मोरहाबादी मैदान, ऑक्सीजन पार्क, स्टेडियम के उपरांत ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट की दूरी तय करते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के प्रांगण पहुंचे।

इस दल में डॉ असित कुमार महापात्र, डॉ रियाज हसन, सुमित मिंज, दिलदार पूर्ति, संतोष मुर्मू के अलावा एनसीसी के 27 और 15 अन्य विद्यार्थी शामिल थे। इसके पूर्व शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सामूहिक तौर पर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शपथ लिया। मौके पर एनसीसी पदाधिकारी डॉ जीसी बसकी, डॉ गीतांजलि सिंह, डॉ शमा सोनाली, अश्विन कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

वाइबीएन विवि में पर्यावरण की सुरक्षा की शपथ ली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को पूरे दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य है पर्यावरण की रक्षा करने के लिए लोगों को जागरूक करना। इस दिन देश-दुनिया के विभिन्न संस्थान कॉले, स्कूल व अन्य स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना वाई बी एन विश्वविद्यालय, रांची के द्वारा प्रतिज्ञा दिलायी गया की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, मैं प्लास्टिक की खपत को आधे से भी कम करने की पूरी जिम्मेदारी लेने का संकल्प लेता हूं। मैं प्लास्टिक के बजाय प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग करने की प्रतिज्ञा करता

हूं। एन एस एस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए एन एस एस कार्यक्रम समन्वयक सह जिला नोडल पदाधिकारी कौशल किशोर ने कहा की पूरी सृष्टि प्रकृति और पर्यावरण पर निर्भर है। जीने के लिए जिस हवा, पानी, खाद्य की जरूरत होती है, वह पर्यावरण की देन है। इनके बिना सृष्टि में किसी जीव की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारे आसपास का वातावरण पेड़-पौधे, नदी, जंगल, जमीन और पहाड़ आदि से घिरा है। इसी को तो प्रकृति कहते हैं। कार्यक्रम में मुख रूप से डीएसडब्ल्यू, डॉ अर्पणा शर्मा और एनएसएस के दोनों यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजनी कुमार सिंह और सुमन कुमारी मौजूद रहे। इस अवसर पर छात्र और छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

पासवा का चार दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/ पुरी। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा का 2 से 5 जून तक चार दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन भगवान जगन्नाथ की भूमि पुरी में सोमवार को संपन्न हुआ। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद की अध्यक्षता में देशभर के 300 शिक्षाविदों ने निजी विद्यालयों में स्कूल के बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराना, विद्यालयों में तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराना, नयी शिक्षा नीति के मातहत शिक्षकों को प्रशिक्षण देना, प्री स्कूल में बेहतर शिक्षा प्रदान करना एसोसिएशन का विशेष फोकस रहेगा। ग्रुप डिस्कशन के उपरांत आये विचारों और सुझावों पर प्रकाश डालते हुए पासवा अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों का व्यवहार असहनीय होता जा रहा है।

अधिवेशन के पहले दिन के सत्र का उद्घाटन झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने किया था।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि

ज्वाइंट सेक्रेटरी पुलिस भारत सरकार आनंद किशोर शरण ने निजी विद्यालयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत जैसे विशाल देश में निजी स्कूलों के बगैर शिक्षा की बात बेमानी है। अधिवेशन में सर्वश्रेष्ठ और उत्कृष्ट जिला पूरे देश में चतरा झारखंड को दिया गया। चतरा से प्रदेश महासचिव नीरज कुमार, चतरा जिला अध्यक्ष प्रवीण प्रकाश, चतरा से प्रदेश सचिव नेसार अंसारी, सिमरिया प्रखंड अध्यक्ष बच्चन पांडेय, धर्मवीर राम, सुनीता सहाय, बेबी सिंह, आशा पांडेय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामल अहमद और प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के हाथों पुरी में सम्मानित हुए।

झारखंड पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे, कर्नाटक अध्यक्ष डॉ अफशद अयूब, तमिलनाडु अध्यक्ष बेलाल नट्टा, जम्मू कश्मीर अध्यक्ष डॉ अनुराधा शर्मा, मध्यप्रदेश अध्यक्ष पवन शर्मा, गुजरात अध्यक्ष अल्पा कोठारिया, सिक्किम अध्यक्ष सोनी वृद्धि, अरुणाचल प्रदेश अध्यक्ष तड़क-भड़क, असम अध्यक्ष शहनाज अहमद, हरियाणा अध्यक्ष विकास शर्मा, दिल्ली अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष फरजाना शकील सहित कई शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। अधिवेशन का संचालन पासवा की राष्ट्रीय सलाहकार फरजाना शकील ने किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
Room No. 401, 3rd Floor, Nirupan Bhawan, Doranda, Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-02/2023-24, 1st Call
e-Tender Ref No:– RCD/PID/RANCHI/02/2023-24 **Date:-02.06.2023**

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Feasibility-Cum-Detailed Project Report for the construction of Ring Road/Bypasses at Jamshedpur including Construction of Culverts and Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Proposal including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Proposal of Utility Shifting in details etc. as required by the Department (If any) under East Singhbhum District in the State of Jharkhand. *** Empanelled consultant with RCD under categoryI vide letter No.3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to Bid only.**
2	Tentative Length	60.00 Km
3	Period of Completion of Work	90 Days
4	Cost of Tender documents	Demand Draft/Banker Cheque of any Scheduled Bank (non-refundable fee) of Rs 5,000/- (Five Thousand) only. EMD:- 2 % of the quoted amount (Net of GST) in the form of current issue NSC, Fixed Deposits of a Scheduled Bank (all the above mentioned form of Security deposits money issued within the State of Jharkhand), Bank draft and Bank Guarantee issued by any Scheduled bank anywhere in India pledge in favour of Executive Engineer, Planning & Investigation Division, Road Construction Department, Ranchi for a period of 45 days beyond the validity of Bid.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	09.06.2023,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	15.06.2023 12:00 PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	15.06.2023 12:00 PM
9	Date and Time of Bid opening	16.06.2023 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication), Road Construction Department, 1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation DivisionRCD, Ranchi, Mob No.-8083039058

Note:- Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 299232 Road(23-24)#D

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गुमला

ई– अति अल्पकालिन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 01R1/2023-24/RWD/W/EE/GUMLA दिनांक :– 03.06.2023
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि	निविदा आमंत्रण सं0
1	RWD/W/EE/ GUMLA/01/ 2023-24	Construction of Road from ST Residential School to Polpolpat Part-A (Length- 0.825 km)	9999300.00	निनानबे लाख निनानबे हजार तीन सौ रू0 मात्र	3 माह	द्वितीय
2	RWD/W/EE/ GUMLA/02/ 2023-24	Construction of Road from ST Residential School to Polpolpat Part-B (Length- 0.900 km)	9956000.00	निनानबे लाख छप्पन हजार रू0 मात्र	3 माह	द्वितीय
3	RWD/W/EE/ GUMLA/03/ 2023-24	Construction of Road from ST Residential School to Polpolpat Part-C (Length- 0.955 km)	9995900.00	निनानबे लाख पंचानब्बे हजार नौ सौ रू0 मात्र	3 माह	द्वितीय
4	RWD/W/EE/ GUMLA/04/ 2023-24	Construction of Road from ST Residential School to Polpolpat Part-D (Length- 1.00 km)	9994100.00	निनानबे लाख चौरानब्बे हजार एक सौ रू0 मात्र	3 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 05.06.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– 12.06.2023 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य अंचल रॉची अथवा जिला नियंत्रण कक्ष, रॉची (ख) जिला नियंत्रण कक्ष, गुमला में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 13.06.2023 अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला, झारखण्ड, पीन कोड– 835207 को भेजा जा सकता है। यह निविदाकार की जिम्मेवारी होगी कि स्पीड़ पोस्ट के माध्यम से भेजा जाने वाला निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि निर्धारित तिथि एवं समय (13.06.2023 अपराह्न 3.30 बजे तक) से पूर्व प्राप्त हो जाय। अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व प्राप्त निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि पर ही विचार किया जायेगा।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 14.06.2023 अपराह्न 3.30 बजे।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य, विभाग कार्य प्रमण्डल, गुमला, झारखण्ड, पिन– 835207
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 9472706638.
9. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/राष्ट्रीयकृत बैंक/अनुसूचित बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, **गुमला** के पक्ष में एवं गुमला में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला

PR 299226 Rural Work Department(23-24)#D

ओड़िशा ट्रेन हादसा

ओड़िशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को हुई ट्रेन दुर्घटना ने पूरे देश को सकते में डाल दिया है। देश के इतिहास के सबसे भीषण रेल हादसों में शामिल की जा रही इस घटना में तीन ट्रेनें एक-दूसरे से टकरायी हैं। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस गलत ट्रैक पर आकर वहां खड़ी मालगाड़ी से टकरायी, जिससे उसके कई डब्बे पटरी से उतर कर दूसरी ट्रैक पर चले गये। वहां दूसरी तरफ से आ रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस इन डब्बों पर चढ़ गयी। हताहतों की बड़ी संख्या के अलावा दुर्घटना की इस प्रकृति ने भी आम जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। भारतीय रेलवे रोज औसतन सवा करोड़ से ज्यादा लोगों को मंजिल तक पहुंचाती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटना उनके मन में रेलवे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा कर सकती है। फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्य और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के इलाज पर है, जो ठीक भी है। इस संदर्भ में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की प्रतिक्रिया खास तौर पर ध्यान देने लायक है, जिसने इस दुर्घटना से जुड़े असुविधाजनक सवालों को यह कह कर स्थगित रखा है कि फिलहाल सर्वोच्च प्राथमिकता राहत और बचाव कार्यों को दिया जाना चाहिए। मगर यह बात भी सही है कि नीतिगत और व्यवस्थागत खामियों की ओर ध्यान दिलाने का भी यही वक्त होता है, जब आम लोग उन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं, जिन्हें सामान्य दिनों में एक्सपर्ट्स के सोचने-समझने वाले तकनीकी विषय मानकर छोड़ दिया जाता है। इस लिहाज से देखा जाये तो हाल के दिनों में पब्लिक परसेप्शन यह बना है कि सरकार स्पीड बढ़ाने और नयी-नयी ट्रेनें शुरू करने पर जितना ध्यान दे रही है, उतना कमजोर और पुराने पड़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर नहीं दिया जा रहा। हालांकि रेलवे डिपार्टमेंट आंकड़ों के जरिए इस धारणा का खंडन करता है। उसके मुताबिक 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपये का पंचवर्षीय सुरक्षा कोष बनाया गया था, जिसे 2022-23 में 45000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम के साथ एक्टसटेंड कर दिया गया। उसका यह भी कहना है कि रेल यात्रा की सुरक्षा के पहलू पर लगातार काम करते रहने के ही कारण इस मोर्चे पर स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। 2013-14 में प्रति दस लाख किलोमीटर पर 0.10 दुर्घटना की औसत संख्या 2022-23 तक और कम होकर 0.03 पर आ गयी थी। लेकिन शुक्रवार की दुर्घटना का सबक यह है कि ऐसे एकाध हादसे भी रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर आम लोगों के मन में वैसी आशंका पैदा कर सकते हैं, जो ऐसे दर्जनों आंकड़ों से दूर नहीं की जा सकती। इसलिए इस दुर्घटना के कारणों की तह तक जाकर उन्हें दूर करने के कारगर उपाय भी लोगों की नजर में लाये जाने चाहिए।

देखा जाये तो हाल के दिनों में पब्लिक परसेप्शन यह बना है कि सरकार स्पीड बढ़ाने और नयी-नयी ट्रेनें शुरू करने पर जितना ध्यान दे रही है, उतना कमजोर और पुराने पड़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर नहीं दिया जा रहा।

अभिमत
आजाद सिपाही

समाज कल्याण की दिशा में भी भारत, बदलाव को अनुभव कर रहा है। वर्ष 2014 से बिना किसी मजहबी-जातिगत भेदभाव, भ्रष्टाचार और मौद्रिक-रिसाव के करोड़ों लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। पहले स्थिति क्या थी, यह वर्ष 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस वक्तव्य से स्पष्ट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार जब भी दिल्ली से एक रुपया भेजती है, तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं, परंतु इस दिशा में मोदी सरकार ने धरातल पर सतत काम करते हुए कई मील के पत्थर स्थापित किये हैं।

मोदी सरकार की नौवीं वर्षगांठ की बड़ी उपलब्धि

बलबीर पुंज

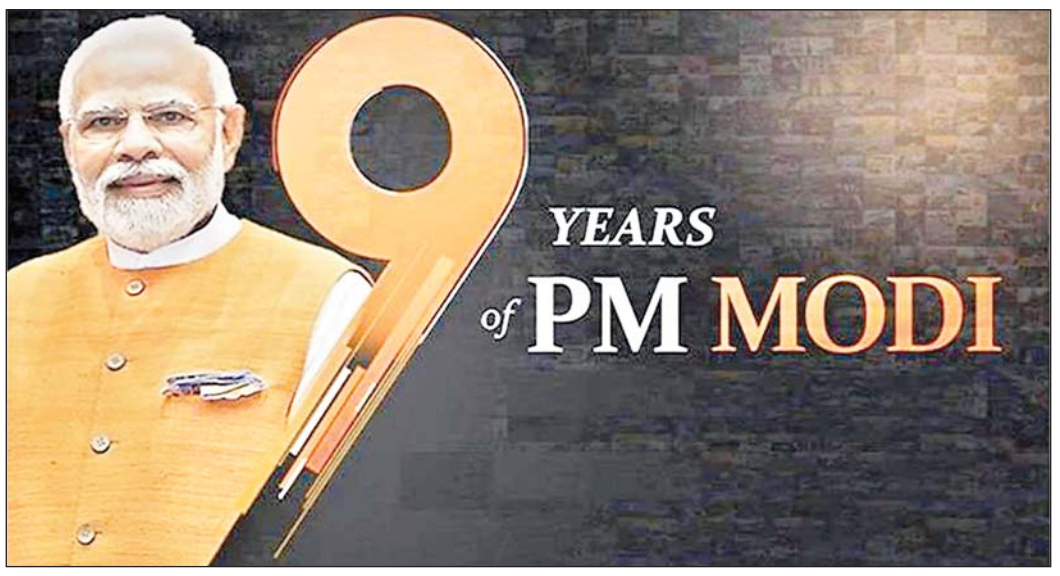

मोदी सरकार ने स्वच्छ जल की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अभी ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंच रहा है। इसमें केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन का सबसे बड़ा योगदान है। कई विश्वसनीय वैश्विक संस्थाओं ने पीएम आवास, पीएम-किसान, पीएम-गरीब कल्याण, पीएम-उज्ज्वला आदि जनकल्याणकारी योजनाओं के धरातली क्रियान्वयन के आधार पर भारत में गरीबी घटने का खुलासा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार के 9 वर्ष पूरे हो गए। इस दौरान उनकी अनेकों प्राप्तियों में जो 2 उपलब्धियां मेरे मन को अधिक छूती हैं, उनमें पहली-प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में दुनिया में भारत का इकबाल स्थापित होना। दूसरी-देश के भीतर भारत भी कर सकता है, भावना का संचार होना। अर्थात सब चलता है वाला दृष्टिकोण अब भूतकाल के गर्त में है। मैं विगत 5 दशकों से पत्रकारिता कर रहा हूं और इस दौरान 12 वर्ष राज्यसभा का सांसद भी रहा। अपने इसी अनुभव के आधार पर यह दावे से कह सकता हूं कि मई 2014 से पहले भारतीय नेतृत्व जिस पराजित मानसिकता से ग्रस्त था, वह उसकी जकड़ से बाहर निकलने लगा है। यह मोदी सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति और दृष्टिकोण से भी रेखांकित हो जाता है। कुछ समय पहले तक देश के जनमानस (सामाजिक-राजनीतिक) में यह विचार सामान्य था ये भारत नहीं कर सकता।

मुझे स्मरण है कि 1990 के दशक में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) की एक बैठक हुई थी, जिसमें मैं भी उपस्थित था। तब उसमें तत्कालीन वित्त सचिव मोंटेक सिंह आहलूवालिया ने उद्योगपतियों से कहा था कि हमारे देश में पूंजी, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता का भारी अभाव है। भारतीय सक्षमता के प्रति तत्कालीन शासन-व्यवस्था के इसी निराशावादी परिप्रेक्ष्य ने देश को आत्मनिर्भर नहीं बनने दिया। इसी मानसिकता की झलक कोविड-19 के भयावह काल में भी देखने को मिली थी। जब भारत, दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल होकर स्वदेशी वैक्सीन के निर्माण में व्यस्त था, तब देश का विकृत कुनबा भारतीय वैक्सीन को खतरनाक, असुरक्षित बताकर विदेशी वैक्सीन की पैरवी कर रहा था। इस वर्ग ने यह भी विमर्श बनाया कि 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में संपूर्ण टीकाकरण होने में 10-15 वर्षों का समय लग सकता है। परंतु भारतीय नेतृत्व ने 16 जनवरी 2021 से टीकाकरण शुरू करते हुए बीते लगभग अढ़ाई वर्षों में 220 करोड़ से अधिक टीके लगाने की उपलब्धि प्राप्त कर ली।

मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण जहां भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या 9 वर्षों में 350 से बढ़कर 90 हजार पहुंच गयी।

गत दिनों ही रक्षा मंत्रालय ने मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने हेतु सैन्य महत्व वाली 928 वस्तुओं के आयात पर चरणबद्ध प्रतिबंध लगा दिया। पिछले 2 वर्षों में इस प्रकार की ये चौथी सूची है। यह आत्मनिर्भर भारत का प्रभाव है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022-23 में भारत का वस्तुओं-सेवाओं का निर्यात 14 प्रतिशत से बढ़कर 770 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण जहां भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या 9 वर्षों में 350 से बढ़कर 90 हजार पहुंच गयी, तो एप्पल जैसी बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भारत को अपना नया ठिकाना बना रही हैं। भारत इस समय सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर दुनिया की 5वीं, तो क्रय शक्ति समानता के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

समाज कल्याण की दिशा में भी भारत, बदलाव को अनुभव कर रहा है। वर्ष 2014 से बिना किसी मजहबी-जातिगत भेदभाव, भ्रष्टाचार और मौद्रिक-रिसाव के करोड़ों लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। पहले स्थिति क्या थी, यह वर्ष 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस वक्तव्य से स्पष्ट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार जब भी दिल्ली से एक रुपया भेजती है, तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं, परंतु इस दिशा में मोदी सरकार ने धरातल पर सतत काम करते हुए कई मील के पत्थर स्थापित किये हैं। इसकी सफलता का एक बड़ा कारण पिछले 9 वर्षों की पारदर्शी व्यवस्था और मोदी सरकार द्वारा खोले गये 49 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं।

स्वच्छता के मामले में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। यूं तो पूर्ववर्ती सरकार ने भी इस संबंध में कई योजनाएं चलायी हैं, किंतु वर्तमान मोदी सरकार ने इसे जनभागीदारी से आंदोलन बना दिया।

2004-14 के बीच ग्रामीण आबादी के लिए स्वच्छता की पहली आवश्यकता शौचालय की व्याप्ति केवल 39 प्रतिशत थी, जो मोदी सरकार के कामकाज संभालने के बाद 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण के बाद 100 प्रतिशत हो गया है। मोदी सरकार ने स्वच्छ जल की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अभी ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंच रहा है। इसमें केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन का सबसे बड़ा योगदान है। कई विश्वसनीय वैश्विक संस्थाओं ने पीएम आवास, पीएम-किसान, पीएम-गरीब कल्याण, पीएम-उज्ज्वला आदि जनकल्याणकारी योजनाओं के धरातली क्रियान्वयन के आधार पर भारत में गरीबी घटने का खुलासा किया है।

मोदी सरकार से पहले विकास कार्यों को लेकर देश की स्थिति क्या थी, यह वर्ष 2010 के दिल्ली कॉमनवैल्थ खेल घोटाले और उस कालखंड की भारी अनियमितताओं से स्पष्ट है। इस पृष्ठभूमि में क्या अरबों रुपयों की लागत से बन रहे राष्ट्रीय राजमार्गों, हवाई अड्डों आदि के साथ सैंट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत बनाए नये संसद भवन और प्रधानमंत्री संग्रहालय आदि निर्माण में किसी प्रकार की घूसखोरी का आरोप लगा और उनकी गुणवत्ता पर सवाल उठा? मोदी सरकार संभवतः स्वतंत्र भारत की पहली ऐसी सरकार है, जिसका शीर्ष नेतृत्व भ्रष्टाचार रूपी दीमक से मुक्त है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी वर्तमान मोदी सरकार अपने पूर्ववर्तियों पर 20 है। यह उसकी सख्त आतंकवाद-विरोधी नीति का कारण है कि पाकिस्तान अपनी हद में है और पिछले 9 वर्षों में कश्मीर को छोड़कर शेष भारत में कोई बड़ा जिहादी हमला नहीं हुआ है।

सेना पर पथराव के लिए कुख्यात कश्मीर घाटी में पर्यटकों की भरमार है। सीमा विवाद पर भारत चीन से आंख में आंख डालकर बात कर रहा है। उपरोक्त पृष्ठभूमि में भारत का भविष्य उज्ज्वल है, परंतु मोदी सरकार को उन आंतरिक-बाह्य शक्तियों से सचेत रहने की आवश्यकता है, जो भारत के बढ़ते कद से कदाचित प्रसन्न नहीं हैं।

जमशेदपुर की खबरें

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय आजीविका मिशन के टीम ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी संजय कुमार को पौधा भेंट किया। सोमवार को सभी ने संयुक्त रूप से कार्यलय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर नगर मिशन प्रबंधक विद्या कुमारी और सलिल तिर्की के साथ सभी सामुदायिक संगठनकर्ता शामिल रहे।

एपीजेए कलाम हाई स्कूल में पौधरोपण किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर मानगो कालिका नगर एपीजेए कलाम हाई स्कूल में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। मौके पर शिक्षाविद मो0 ताहिर हुसैन व समाजसेवी डॉ अफरोज शकील शामिल रहे। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान प्राचार्या रफत आरा ने वृक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा वर्तमान परिवेश में पेड़-पौधे अत्यंत आवश्यक हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। मो0 ताहिर हुसैन ने कहा कालिका नगर क्षेत्र में विभिन्न पेड़ पौधे लगाए गए। लोगों के बीच पौधे का वितरण किया गया। मौके पर अरविंद सिंह, खुर्शीद अहमद, साहला परवीन, मुस्कान सान्डिल, राहत, हिमांशु कुमार, रिजवान, संतोष कुमार, मंजर, अरविंद प्रसाद समेत काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

एसएसपी की कार्यशैली और दंगे की न्यायिक जांच हो : प्रवीण सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जमशेदपुर में भाजपा नेता अभय सिंह और अन्य हिंदूवादी संगठनों के नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा नेता और पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह ने इस मामले की रिटायर्ड जज से निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उक्त बातें सोमवार को प्रवीण सिंह ने रांची के करमटोली स्थित रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में

कही। श्री सिंह ने कहा कि जिस तरह से जमशेदपुर की पुलिस यह कहें कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता जो कि खुद जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक हैं उनके इशारे पर काम कर रही है। वहां इससे वहां का माहौल खराब हो रहा है एक खास समुदाय विशेष के नेताओं को दुर्भावनावश टारगेट किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसको लेकर के देश के गृह मंत्री से भी मिलेंगे और जमशेदपुर के एसएसपी के क्रियाकलापों की भी सबूत सौंपेंगे और साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री से भी उन्होंने इस संबंध में मिलने के लिए समय मांगा है। बता दें कि बीते 8 अप्रैल को झारखंड की लौहनगरी जमशेदपुर में दो समुदाय के बीच में पथराव आगजनी सहित जबरदस्त हंगामा हुआ था, जिसमें भीड़ ने जमशेदपुर पुलिस को भी नहीं बख्शा था।

विको मोड़ से उषा मार्टिन मोड़ तक स्ट्रीट लाइट बनाने का कार्य शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। टाटा- कांड्रा मुख्य मार्ग पर और सर्विस रोड में लगे सभी स्ट्रीट लाइट बीते कयी दिनों से खराब है। बीते दिनों पुरेन्द्र नारायण सिंह ने जनता की समस्याओं को देखते हुए पहल की थी। आजाद सिपाही समाचार पत्र में प्रमुखता से खबर लिखे जाने के बाद सोमवार से कार्रवाई शुरू हो गयी। गम्हरिया क्षेत्र के समाजसेवी एस एन मिश्रा ने आदित्यपुर नगर

परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह से अनुरोध किया था। ताकि सड़क दुर्घटना से लोगो को निजात मिल सके। पुरेंद्र नारायण सिंह ने तत्काल जेआरडीसीएल के अधिकारी सत्या प्रमोद से स्ट्रीट लाइट शीघ्र चालू करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था 48 घंटे के अंदर सभी स्ट्रीट लाइट को चालू किया जाय अन्यथा 5 जून से जोरदार आंदोलन किया जायेगा, लेकिन सोमवार से ही केबुल मरम्मती और पैनल का काम प्रारंभ कर दिया गया। सोमवार को पुरेंद्र नारायण सिंह, पूर्व पार्षद सिद्धनाथ सिंह यादव, समाजसेवी प्रमोद गुप्ता ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया।

पैसेंजर ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, कई घायल, एक की स्थिति नाजुक

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर सुधा डेयरी के समीप पैसेंजर ऑटो अचानक पलट गई। सोमवार को सड़क दुर्घटना में ऑटो में सवार लगभग आधा दर्जन लोग घयाल हो गए, जिसमे एक कि स्थिति नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है पैसेंजर ऑटो सरायकेला से आदित्यपुर की ओर आ रही थी। अचानक अनियंत्रित होकर पलटी मारते हुए डिवाइडर से जा टकराई। मौके पर सूचना मिलते ही पहुची पुलिस व स्थानीय लोगो के सहयोग से घायलो को

एमजीएम अस्पताल पहुचाया गया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

रेल दुर्घटना के मृतकों को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो जवाहरनगर रोड नंबर 15 मे समाजसेवी पप्पू सिंह और उनके समर्थकों के द्वारा बालासोर रेल दुर्घटना मे जान गवा चुके लोगों का आत्मा के शांति हेतु श्रद्धांजलि दी। सोमवार को सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए कामना की। इस अवसर पर मौन धारण कर कैण्डल मार्च निकाला गया। पप्पू सिंह ने कहा रेल दुर्घटना हृदय विदारक है। दुख को शब्दों मे बयां नहीं किया जा सकता। भगवान सभी के आत्मा को शांति दे। दुःखद घड़ी मे उनके परिवार को साहस प्रदान करें। दुर्घटना में घायल सभी लोग जल्द स्वस्थ हो। मौके पर भवानी सिंह. अभिनंदन सिंह,वीरू सिंह, गोपाल सिंह, छोटू रावत, रमेश मुर्मू,दयानंद शर्मा,अमेरिका पांडे, परमेश्वर पांडे,गोपी शर्मा व अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 37 झारखंड बटालियन एनसीसी ने किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जमशेदपुर कोऑपरेटिव कॉलेज मैदान में 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के द्वारा 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान पौधारोपण किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डीएफओ श्रीमती ममता प्रियदर्शी, 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा, कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर अमर सिंह एवं विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के एनसीसी अधिकारी व पीएल कर्मचारी स्टॉप मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रीमती ममता प्रियदर्शी ने एनसीसी कैडेटों से रूबरू होकर काफी प्रसन्नता पूर्वक सवाल जवाब किए। समारोह के अंत में डीएफओ श्रीमती ममता प्रियदर्शनी, लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा सहित कॉलेज प्राचार्य डॉ अमर सिंह ने एनसीसी कैडेटों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। साथ ही वातावरण संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ दिलाई। वही एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएफओ सहित सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया।

महत्वपूर्ण न्यूज

'चुप्पी तोड़ो : स्वस्थ रहो' अभियान अंतर्गत जागरूकता रथ रवाना

गढ़वा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा जिला स्तरीय माहवारी स्वच्छता कार्यक्रम के तहत चुप्पी तोड़ोः स्वस्थ रहो अभियान के प्रति आमजनों को जागरूक करने हेतु जागरूकता रथ को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया गया। चुप्पी तोड़ोः स्वस्थ रहो अभियान के तहत रवाना किए गए इस जागरूकता रथ के माध्यम से किशोरियों एवं महिलाओं, विशेषकर 10-19 आयु वर्ग किशोरियों में स्वच्छता को बढ़ावा देने और उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर उन्हें जागरूक करने का कार्य करेगी। जागरूकता रथ को रवाना करते समय निदेशक डीआरडीए दिनेश प्रसाद सुरीन, सिविल सर्जन, डॉ अनिल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पाण्डेय, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, प्रदीप कुमार सिंह समेत जिला उद्यान पदाधिकारी, शिव शंकर कुमार, सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मुकेश कुमार संबंधित उपस्थित थे।

प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार समिति की बैठक संपन्न

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड संसाधन केंद्र केतार के सभागार कक्ष में सोमवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग प्राथमिक शिक्षा निदेशालय झारखंड राज्य के अधीन कार्यरत सहायक अध्यापक समर्पित पारा शिक्षकों के सेवा संपुष्टि के तहत 4 प्रतिशत वेतन वृद्धि के लिए संबंधित पंचायत के प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार समिति की आवश्यक बैठक हुई। इस दौरान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजय कुमार पांडे के द्वारा संबंधित पंचायत के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों से सहायक अध्यापक के कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत चर्चाए की गई और 4 प्रतिशत वेतन वृद्धि के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। इस मौके पर बीडीओ मुकेश मछुआ, उपप्रमुख शंभू सिंह खरवार, मुखिया मूंगा साह, मुखिया श्यामसुंदर बैठा, मुखिया मुन्नी देवी, मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि सीताराम शर्मा, बीडीसी राम व्रत मेहता, इम्तेयाज अंसारी, अजय राम, राजकुमार राम, सहित अन्य लोग शामिल थे।

महिलाओं ने वृक्ष को राखी बांध कर लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

रंका (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजसेवी अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में रंका खुर्द की महिलाओं ने वृक्ष को राखी बांध कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। मौके पर समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने कहा कि वृक्ष राष्ट्र की संपत्ति है। इसे नुकसान पहुंचाने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं एवं पुरुषों को पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहने को प्रेरित किया। वहीं दूसरी ओर कन्या मध्य विद्यालय में समाजसेवी सतीश कुमार पाण्डेय ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार पाण्डेय सहित काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

फलदार और इमारती पौधे लगाये

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया गढ़वा-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड विकास पदाधिकारी विपिन कुमार भारती अंचला अधिकारी मदन महली व वन कर्मियों ने संयुक्त बीबी नरूप से फलदार व इमारती पौधे लगाया। साथ साथ पर्यावरण को बचाने का शपथ भी लिया गया, जिसमें आइए प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण करें। इस मौके पर पर्यावरण दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बीडीओ ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन काल में विभिन्न अवसरों में एक एक पौधे लगाने की जरूरत है। वहीं सीओ ने कहा कि आज के परिवेश में प्राकृतिक को बचाना हम सब का परम कर्तव्य है, जिसके लिए पेड़ का होना आवश्यक है इसलिए हम सबको पेड़ पौधे को बचाने की जरूरत है। अधिक से अधिक फलदार छायादार वह इमारती लकड़ी के पौधे लगायें।

दिनेश कॉलेज में पर्यावरण दिवस मना

गढ़वा (आजाद सिपाही)। वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट गढ़वा द्वारा संचालित दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य तथा सभी सहायक प्राध्यापक व छात्र छात्राओं ने पौधरोपन किया। रास्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी शशिकांत सिंह यादव ने पेड़-पौधों के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं, अध्यापकों ने शपथ ली कि जब भी मौका मिलेगा, एक पौधा अवश्य लगायेंगे।

पत्थर से टकरा कर बाइक सवार घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर श्री बंशीधर नगर मुख्य मार्ग पर नेपाल खोह के समीप सोमवार को हुई बाइक दुर्घटना में मकरी गांव निवासी रविंदर राम पिता स्व. जयकांत राम गंभीर रूप से घायल हो गया। तत्काल उसे इलाज हेतु भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार रविंदर राम अपनी बाइक से सोमवार के सुबह श्री बंशीधर नगर से अपने घर मकरी आ रहा था, तभी नेपाह खोह के समीप उसके सर पर ढका हुआ गमछा खुलकर आंख पर आ गया, जिससे उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पत्थर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर मिशन लाइफ कार्यक्रम

पौधा लगाने का अभियान लगातार चलायें : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में पर्यावरण संरक्षण को लेकर मिशन लाइफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपायुक्त ने कहा कि आज 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरू किया गया था। 5 जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसके पश्चात से हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर हमे तत्पर होकर कार्य करने की आवश्यकता है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को उपायुक्त ने एक मुहिम के तहत आमजनों को पौधा रोपण हेतु प्रेरित करने एवं जिले के सभी सरकारी भवनों, तालाबों एवं अस्पतालों के आसपास पौधारोपण करने को कहा, जिससे पर्यावरण का संरक्षण किया जा सके।

कार्यक्रम में प्रेजेंटेशन के माध्यम से मिशन लाइफ के विषय पर कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं किस प्रकार से पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में हम कार्य करें, इसे लेकर बताया गया। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक कार्यवाही को बढ़ावा देने तथा प्राचीन ज्ञान से सीख लेकर प्रकृति के साथ समन्वय बनाते हुए सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन करने की बात कही गई। साथ ही दुनिया भर के लोगों को पर्यावरण अनुकरण व्यवहार करने हेतु प्रेरित करने की बात कही गई। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मिशन लाइफ थीम के तहत कुछ विशेष बातों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु कहा गया। जेएसएलपीएस और शिक्षा विभाग तथा समाज कल्याण के साथ-साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आदि को इस वर्ष वर्षा होने से पहले अपने अपने प्रखंडों पंचायतों एवं तहसील आदि के परिसरों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण करने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त समेत सभी पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर को शपथ लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी, शशि कुमार, अपर समाहर्ता, पंकज कुमार सिंह, निदेशक डीआरडीए, दिनेश प्रसाद सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी रंका, रामनारायण सिंह, सिविल सर्जन गढ़वा, डॉ अनिल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मिथिलेश केरकेट्टा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, साकेत कुमार पाण्डेय, नजारात उप समाहर्ता, नीलेश मुर्मू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पूर्णिमा कुमारी, जिला योजना पदाधिकारी, संजीव कुमार सिंह, जिला उद्यान पदाधिकारी, शिव शंकर कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद गढ़वा, सुशील कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी, नीरज कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस, सुशील दास, सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मुकेश कुमार उपस्थित थे।

एसपीडी कॉलेज में पर्यावरण दिवस मनाया गया

वातावरण शुद्ध बनाने का संकल्प लेने का दिन है पर्यावरण दिवस : प्राचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सोमवार को सूरत पाण्डेय डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) के द्वारा महाविद्यालय परिसर में संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि आनेवाली पीढ़ी के लिए वातावरण को शुद्ध बनाने के संकल्प लेने का दिन है पर्यावरण दिवस।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गयी। मौके पर प्राचार्य प्रो. द्विवेदी ने कहा कि आज हम सुविधाभोगी हो गए हैं। प्लास्टिक का प्रयोग मानव एवं पशु के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। पर्यावरण लगातार प्रदुषित हो रहा है। परिणामस्वरूप जीव-जंतु, जलवायु के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ उमेश सहाय, डॉ अरविंद गुप्ता, प्रो केबी अंसारी, प्रो संजय केशरी, नीरज श्रीधर आदि ने कहा कि प्लास्टिक प्रदुषण हमारे पर्यावरण को काफी तेजी से नुकसान पहुंचा रहा है। प्लास्टिक पदार्थों से उत्पन्न कचरे का निस्तारण काफी कठिन होता है और पृथ्वी पर प्रदुषण में भी इसका अहम योगदान होता है। प्लास्टिक बैग, बर्तनों और फर्नीचर के बढ़ते इस्तेमाल से प्लास्टिक कचरे में काफी वृद्धि हुई है जिससे प्लास्टिक प्रदुषण जैसी भीषण समस्या उत्पन्न हो गयी है। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो कमलेश सिन्हा ने प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव तथा इससे बचाव पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस की छात्रा मुस्कान कुमारी ने किया।

इस मौके पर प्रो दिवाकर चतुर्वेदी, प्रो. सत्यदेव कुमार, प्रो. अखिलेश शुक्ला, डॉ चंद्रकुमार समेत, प्रो आरआर मिश्रा, विनीत चौबे, सकेन्द्र चौधरी, अंजली कुमारी, दीपिका कुमारी, मुस्कान कुमारी, अंजली कुमारी, पल्लवी कुमारी, रीया कुमारी, नीभा कुमारी, सुनीता शर्मा आदि उपस्थित थे।

आठ साल बाद छात्र नेता बरी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय पर 2014 में एबीवीपी गढ़वा पलामू के छात्र नेताओं ने भ्रष्टाचार अव्यवस्था छात्र हितों को लेकर प्रमंडल के हजारों छात्रों के साथ बड़ा आंदोलन किया था। इसमें प्रशासन के द्वारा छात्र नेताओं पर लाठी चार्ज एवं मुकदमा दायर किया गया था। आठ साल मुकदमा चला। तत्पश्चात कोर्ट ने आरोपी छात्रों को आज बरी कर दिया। तात्कालिक छात्र नेता अमित तिवारी, रीतेश चौबे ज्योति पांडेय ने कहा कि वो कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं, उस दौरान छात्र हितों को लेकर आंदोलन किया गया था, छात्र नेताओं ने बताया कि 6 अगस्त 2014 को पलामू के नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय पर छात्र हितों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने घेराव प्रदर्शन का आयोजन किया था। इसी दौरान सभी आरोपी छात्र सोमवार को मेदिनीनगर पलामू कोर्ट में प्रस्तुत हुए थे, जहां कोर्ट ने सबको बरी कर दिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र नेता तात्कालीन विश्व विद्यालय संयोजक ज्योति पांडेय विभाग संयोजक रोहित पाठक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रितेश चौबे आयुष तिवारी पलामू जिला संयोजक स्वेतांक गर्ग नगर प्रमुख दीपक पांडे गढ़वा जिला संयोजक अनुज सिंह को साक्ष्य के अभाव में कोर्ट ने बरी किया गया है मौके पर मुख्य रूप से अमित तिवारी ज्योति पाण्डेय रोहित पाठक स्वेतांक गर्ग दीपक पाण्डेय अनुज सिंह हरिवंश सिंह आयुष तिवारी चंदन दुबे आदि मौजूद थे।

टांगी से काट कर विवाहिता की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरपुर। ओपी क्षेत्र अंतर्गत आजाद नगर टोले पर एक विवाहित महिला की धारदार हथियार से गले पर वार कर हत्या कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मझिगावां पंचायत के आजाद नगर टोले पर किरण देवी उम्र 40 वर्ष पति सुनेश्वर चंद्रवंशी की हत्या धारदार हथियार (टांगी) से गले पर वार कर अज्ञात लोगों के द्वारा रविवार की रात्रि में हत्या कर दिया गया। हत्या की सूचना सोमवार की अहले सुबह पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गयी। उधर मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी घटना स्थल पर आकर शव को अपने कब्जे में ले लिया।

जानकारी के अनुसार मृतिका किरण देवी अपने दो पुत्री व एक पुत्र के साथ अपने घर में रहती थी। पति सुनेश्वर चंद्रवंशी परिवार के भरण पोषण हेतु राजस्थान राज्य में सरिया सेंट्रिंग में मजदूरी करने गया है। जानकारी के अनुसार रविवार की शाम बच्चे अपने मां (मृतिका) के साथ भोजन करने के बाद छत पर सोने चले गये उसके पश्चात गांव के कुछ लोग शराब का सेवन करने आये थे, उन सभी के जाने के बाद मृतिका किरण देवी गर्मी अत्यधिक होने के कारण घर के बाहर चारपाई कर सो गयी। उसी क्रम में रात्रि में उसकी अज्ञात लोगों द्वारा धारदार हथियार (टांगी) से हत्या कर दिया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेते हुए छानबीन में जुट गयी है। घटना स्थल पर डीएसपी प्रमोद कुमार केशरी, भवनाथपुर इंस्पेक्टर कृष्णा महतो, भवनाथपुर थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय, हरिहरपुर प्रभारी रामभरोश शर्मा ने मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम हेतु गढ़वा भेज दिया। पुलिस हत्या में प्रयोग किये गये हथियार एवं मृतिका के मोबाइल को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गयी है। मृतिका के पति सुनेश्वर चंद्रवंशी को घटना की सूचना दूरभाष के माध्यम से दे दिया गया है।

कुष्ठ रोग अभियान को लेकर जिला समन्वय समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आगामी कुष्ठ रोग अभियान 2023 को लेकर समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त, शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक की गयी। बैठक में सिविल सर्जन, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि 15 जून 2023 से 28 जून 2023 तक जिला में कुष्ठ रोग खोज अभियान चलाया जायेगा। इनमें पुरुष सदस्यों की जांच पुरुष कार्यकर्ता एवं महिला सदस्यों की जांच महिला कार्यकर्ता द्वारा की जायेगी।

बैठक में डीएलओ डॉ के एल सहगल ने बताया कि कुष्ठ रोग धीरे-धीरे फैलने वाली बीमारी है, जिसमें मरीज को दिव्यांगता जैसे बीमारी हो सकती है। बैठक में रांची से आये डब्ल्यूएचओ के डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया कि झारखंड के सभी जिलों को 4 कैटेगरी में बांटा गया है और गढ़वा जिला उनमें मोस्ट हाई प्रायरिटी श्रेणी में आता है। जिला कुष्ठ परामर्शी डॉ भारत भूषण द्वारा बताया गया कि टीम द्वारा चलाये जाने वाले सर्च अभियान के दौरान परिवार के सभी सदस्यों शारीरिक जांच जरूरी है। कुष्ठ रोग अभियान को लेकर आयोजित जिला समन्वय समिति की इस बैठक में सिविल सर्जन, डॉ अनिल कुमार सिंह समेत सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड लेखा प्रबंधक, जिला महामारी विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपिस्ट उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० –03/2023–24

(SCA Head)

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय:– 15–06–2023 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनो को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 16–06–2023 को 3.00 बजे अपराहन तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 16–06–2023 को 3.30 बजे अपराहन।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियंता,पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल सं0–2, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि लगभग	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	बासुदेव कोना कॉलेज रायडीह, जिला गुमला में पेयजलापूर्ति से संबंधित कार्य 2023–23	16,87,078.00	34,000.00	5000.00	03 माह

निविदा की नियम एवं शर्ते :–कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
PR.NO.299218 Drinking Water and Sanitation(23-24):D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा

अति अल्पकालीन-ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या DMFT/MID/KODREMA/F2-3/2023-24 Date 05.06.2023

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:–

क0सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प्रखंड कोडरमा के लोकाइ स्थित कस्तुरबा गाँधी बालिका उच्च विद्यालय के बगल में तालाब का जीर्णोद्धार कार्य ।	1050100.00	21500.00	2500.00	छः माह (06)

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि:–07.06.2023
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय 13.06.2023 अपराहन 05:00 बजे तक
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की तिथि 14.06.2023 एवं समय 10:00 बजे से 03:00 बजे तक। स्थान कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई अंचल, हजारीबाग एवं उप विकास आयुक्त का कार्यालय कोडरमा, निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 15.06.2023 अपराहन 02:00 बजे

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट– WWW.Jharkhand tenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमंडल, कोडरमा

PR 299192 Minor Irrigation (23-24)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– : 15/2023–24

1. विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंड़ल, लातेहार
3. परिमाण विपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एवं समय :– 12.06.2023 के 1.00 बजे अपराहण तक ।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 13.06.2023 के 3.00 बजे अपराहण तक ।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 13.06.2023 के 3.30 बजे अपराहण तक ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1. अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02 रॉची के द्वारा प्राधिकृत स्थान एवं प्रतिनिधि के द्वारा। 2. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– 1. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
   कार्य का नाम एवं अन्य सूचना :–

क्र. सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि रु0	अग्रधन राशि रु0	परिमाण विपत्र का मूल्य रु0	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	Construction of Public Shed in the Campus of Balumath Thana under Balumath Block in Latehar District.	466690/ -	10000/ -	750/ -	1(One) Month
2	लातेहार के समाहरणालय परिसर में प्लास मार्ट शॉपिंग कियोस्क निर्माण कार्य	149172 /-	30 00/ -	500/ -	01 (One) Month

नियम एवं शर्त कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhand.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंड़ल, लातेहार

PR 299167 Building (23-24)_D

झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान एवं नाट्य अकादमी ने किया पौधरोपण

जीवन संरक्षित रखना है, तो पेड़-पौधों और जंगल को बचाना होगा : डॉ दीपक

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। विश्व पर्यावरण दिवस पर झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान रंगमंडल एवं नाट्य अकादमी और खूंटी बिरसा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बिरसा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रोफेसर इंचार्ज जेरमेन कुल्लू किड़ो ने कहा कि पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हम सबों को सतत प्रयास करना चाहिए, जिसको लेकर हमारा महाविद्यालय लगातार प्रयासरत है। बच्चों को नए-नए कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रोत्साहित किया जाता है। वहीं, संस्था के सचिव डॉ दीपक प्रसाद ने बिरसा महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया। उन्होंने कहा कि अगर जीवन संरक्षित रखना है तो पेड़, पौधे, जंगल को बचाना ही पड़ेगा। जीवन बचाना है तो वृक्ष लगाना ही पड़ेगा। हमारे जीवन में वृक्षों का बहुमूल्य स्थान है। उन्होंने संस्था की ओर से 12 से 18 जून तक आयोजित होनेवाली नाट्य, नृत्य एवं चित्रकला सह प्रदर्शनी कार्यशाला की भी जानकारी दी। प्रतिभागी गूगल फॉर्म द्वारा अपना नामांकन अपनी रुचि की विधा में ले सकते हैं। इस सात दिवसीय नाट्य, नृत्य चित्रकला कार्यशाला में अलग-अलग विद्या के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को एक सप्ताह तक विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी देंगे। नाट्य प्रशिक्षण देने के लिए वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अभिनेता, निर्देशक डॉ दीपक प्रसाद उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार चित्रकला एवं नृत्य के लिए भी अलग-अलग शिक्षा उपस्थित रहेंगे। मौके पर उपस्थित दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ मंजूषा पूर्ति, डॉ सुशीला कुजूर, प्रो तारीफ लुगुन, राजकुमार गुप्ता, प्रकाश प्रमाणिक और महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित थे।

पौद्यारोपण कर पर्यावरण का संदेश देते डॉ दीपक प्रसाद।

जीवन की रक्षा के लिए पर्यावरण की सुरक्षा जरूरी: राधेश्याम सिंह

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीआरपीएफ जवानों ने किया पौधा रोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को सीआरपीएफ 94वीं बटालियन के जवानों ने खूंटी से मुरहू प्रखंड के लोगों को वृक्षा रोपण करने के लिए जागरूक किया। साथ ही खूंटी के जियारप्पा में लगभग डेढ़ हजार पौधे लगाये गये। सीआरपीएफ 94 बटालियन के कमांडेंट राधेश्याम सिंह ने जवानों को वृक्षारोपण के महत्व से अवगत कराया। कहा कि मानव जीवन को सुखी, समृद्ध व संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है। जीवन रक्षा के लिए पर्यावरण की सुरक्षा जरूरी है। आज तेजी से बढ़ रहे औद्योगीकरण के युग में धुंआ और तरह-तरह की गैस वायुमंडल को प्रभावित कर रही हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारी धरती प्रदूषण रहित रहे और यहां रहनेवाला मानव समाज सुखी व स्वस्थ रहें, तो हमें पेड-पौधो की रक्षा और नव वृक्षारोपण की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक प्रगति की तरफ आतुर मानव आज अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए तेजी से वृक्षों की कटाई कर रहा है। अगर इसी तरह वृक्षों की कटाई होती रही, तो मानव जीवन के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिह्न लग जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और जवानों को भविष्य में भी समय-समय पर नव वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और पर्यावरण को बचाने के लिए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश रंजन मिश्रा, उप कमांडेंट अंजन कुमार मंडल और संतोष कुमार सहित 94 बटालियन के अन्य अधिकारी और जवान शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

विश्व पर्यावरण दिवस पर पिपरवार में जगह-जगह किया गया पौधरोपण

पिपरवार (आजाद सिपाही)। कोयलांचल क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को कई जगह वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया गया। पिपरवार महाप्रबधंक कार्यालय में जीएम सीबी सहाय सहित अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान जीएम ने पर्यावरण की रक्षा को लेकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील करते हुए इसकी रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एसओपी आलोक मनीष सोय, एके पाठक, संजय कुमार, अरुण कुमार महतो, डीपी रोय, मुकेश तोषांग, सुभोजित हलदर सहित कई अधिकारी और स्कूली बच्चे मौजूद थे। वहीं, अशोक परियोजना कार्यालय में परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार ने पौद्यारोपण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण की रक्षा को लेकर शपथ दिलाया। मौके पर पीओ संजय कुमार, खान प्रबंधक एसके सिंह, कार्मिक प्रबंधक सोमित सेनापति, सत्येंद्र कुमार, राजेंद्र कश्यप आदि मौजूद थे। इधर, सीआइएसएफ की ओर से पर्यावरण दिवस पर सीआइएसफ कैंप और आवासीय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। विभाग के डिप्टी कमांडेंट मृत्युजंय स्वामी और सहायक कमांडेंट संजय कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारियों एंव जवानों ने वृक्षारोपण कर इसकी रक्षा करने का संकल्प लिया। दूसरी ओर, भाजपा पिपरवार मंडल के कार्यकर्ताओं ने बचरा चार नंबर खेल मैदान में पौधारोपण किया। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर पौधा लगाकर उनके दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजेश महतो, जिला मंत्री रीना देवी, निर्मला देवी, राधा देवी, उदय शर्मा, संजय कुमार गंझू आदि मौजूद थे। वहीं, बेंती पंचायत भवन में बीके प्रीति बहनो की ओर से वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर समाजसेवी गणेश भुइयां, सेविका रीना देवी, गोरी देवी, संजय केशरी, आदित्य केशरी, महिला समूह से गुड्डी देवी आदि मौजूद थे।

सीसीएल प्रबंधन के आश्वासन पर 21 दिनों के बाद स्थगित हुआ असंगठित मजदूरों का धरना

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष विगत 21 दिनों से असंगठित मजदूरों द्वारा जारी अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को पिपरवार प्रबंधन के साथ हुई वार्ता के बाद समाप्त हुआ। ट्रांसपोर्ट कंपनी की ओर से असंगठित मजदूरों का काटा गया सीएमपीएफ और बोनस की मांग को लेकर असंगठित मजदूर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन एनके एरिया के नेतृत्व में 15 मई से धरने पर बैठी थी। सोमवार को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय में जीएम सीबी सहाय की अध्यक्षता में वार्ता हुई, जिसमें सीसीएल प्रबंधन द्वारा सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस से जल्द समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया गया। प्रबंधन द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद मजदूरों ने धरना स्थगित कर दिया। वार्ता में कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी आलोक मनीष सोय, कार्मिक प्रबंधक रवि बाड़ा, एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर अरुण कुमार महतो एवं यूनियन की ओर से कृष्णा चौहान, प्रेम कुमार, अरविंद शर्मा, चंदन शर्मा, आनंद कुमार, जितेंद्र सिंह, टेकलाल महतो, समसुल अंसारी आदि उपस्थित थे।

मुखिया ने किया टेंट हाउस का उद्घाटन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुंडीदीरी गांव में लुंगदू मुखिया विश्व भुषण सिंह मुंडा, कुंदला मुखिया प्रतिनिधि जागरण मुंडा, ग्राम प्रधान लक्ष्मीकांत सिंह मुंडा और समाज सेवी हीरालाल दास ने सोमवार को संयुक्त रूप से अशीष टेंट हाऊस और डीजे साउंड का उद्घाटन किया। इस मौके पर अशोक कुमार दास, सुशील मुंडा, अभिराम मुंडा, सुनील दास, संतोष मुंडा, कृष्णा तिवारी, संजय दास, विमल कुमार मुंडा, त्रिलोचन मुंडा, टेंट संचालक आशीष कुमार गुप्ता, कालीचरण मुंडा, लक्षण मुंडा, प्रदूमन मुंडा, संदीप मुंडा, संजू मुंडा, विनय मुंडा आदि उपस्थित थे।

भीषण गर्मी से लोग हलकान, सूखे कुआं-तालाब

बुंडू (आजाद सिपाही)। पूरे पांच परगना क्षेत्र में लोग भीषण गर्मी से हलकान-परेशान है। इन दिनों नदी, तालाब व कुआं सूख चुके हैं। लोग पानी के लिए परेशान हैं। बुंडू का तापमान 42 डिग्री के आसपास ही रह रहा है। हालांकि सोमवार की दोपहर हल्की बारिश होने से लोगों को उमस भरी गर्मी के कुछ राहत जरूर मिली।

छात्र नेता ने की केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से मुलाकात

बुंडू (आजाद सिपाही)। पीपीके कॉलेज के छात्र नेता सुरेंद्र लोहरा ने केंद्रीय मंत्री सह खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा से मुलाकात कर बुंडू में एक महिला छात्रावास बनवाने की मांग की। इस पर अर्जुन मुंडा ने छात्र नेता से कहा कि जल्द ही एक छात्रावास बुंडू कॉलेज को दिया जाएगा। इस आश्वासन से छात्रों में काफी खुशी है।

पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी का सहयोग जरूरी: सीबी सहाय

पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में समारोह आयोजित कर विश्व पर्यावरण दिवस पर सीसीएल प्रबंधन द्वारा कराये गये पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल स्कूली बच्चों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता जीएम सीबी सहाय और संचालन क्षेत्रीय पर्यावरण पदाधिकारी संजय कुमार ने किया। जीएम सीबी सहाय ने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करना कंपनी का उद्देश्य है। पर्यावरण को जीवित रखने के लिए सभी से पौधा लगाकर इसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की हरियाली हम सभी के लिए वरदान है। वर्तमान में पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना और इसकी देखभाल करने की जरूरत है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। पिपरवार के कारों में बन रहे सोलर प्लांट कोल इंडिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर प्लांट है। इसके चालू होने से पिपरवार क्षेत्र का नाम रोशन होगा। इस मौके पर एसओपी आलोक मनीष सोय, स्टॉफ ऑफिसर इएंडएम एके पाठक, क्षेत्रीय पर्यावरण पदाधिकारी संजय कुमार, एरिया सिक्यूरिटी ऑफिसर अरुण कुमार महतो, डीपी रोय, मुकेश तोषांग, सुभोजित हलदर आदि मौजूद थे।

बुंडू में हिंद लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन सेंटर की न्यू बिल्डिंग में पौधरोपण

बुंडू (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंद लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन सेंटर की न्यू बिल्डिंग बिचका टोली में सोमवार को वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान मौजूद बच्चों व लोगों को पर्यावरण संतुलन के लिए पेड़-पौधों की उपयोगिता को बताया गया। मौके पर ताउ की मुखिया रोशनी लंग, राजकिशोर कुशवाहा, पवन महतो व चंद्रकांत महतो आदि उपस्थित थे।

विश्व पर्यवारण दिवस पर अधिकारियों कर्मियों ने ली पर्यावरण सुरक्षा की शपथ

खलारी(आजाद सिपाही)। सीसीएल एनके एरिया में सोमवार को विश्व पर्यवारण दिवस मनाया गया। प्रभारी महाप्रबंधक जे अब्राहाम ने डकरा जीएम कार्यालय में झंडोत्तोलन किया। उसके बाद उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यवारण सुरक्षा की शपथ दिलाई। साथ ही पर्यावरण सरंक्षण के लिए पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया और प्लास्टिक के उपयोग करने पर रोक लगाने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि पर्यवारण के सरंक्षण की सबको जिम्मेदारी है। इसलिए सभी लोग अपने-अपने घरों एवं आसपास में पेड़ जरूर लगाएं। यह पेड़-पौधे हमें जीवन देते हैं। हमें इनका सरंक्षण करना चाहिए। वहीं, पर्यवारण अधिकारी निशांत कुमार ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण के लिए एनके एरिया में 10 हजार फलदार पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए एक परियोजना का चयन किया जाएगा। पिछले वर्ष रोहिणी परियोजना में पौधे लगाए गए थे। वहीं पानी सरंक्षण के लिए दो चेकडैम बनाये जाएंगे जिनमें एक केंदुवा नाला एवं सोनाडुबा नदी पर बनेगा। वहीं, एसओपी ज्योति कुमार ने कोल इंडिया चेयरमैन का संदेश पढ़कर सुनाया। इस मौके पर सेफटी ऑफिसर राजेंद्र प्रसाद, जॉयस नायक, संजय कुमार शर्मा, दिवाकर साहू, निशांत कुमार, दिव्य प्रकाश, रानी चैबे, रवि, ओमप्रकाश, मानदेव राम आदि मौजूद थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने जामडीह एवं डकरा में किया पौधरोपण

खलारी (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यवारण दिवस पर रैयत विस्थापित मोर्चा ने सोमवार को वृक्षारोपण किया। मोर्चा ने जामडीह एवं डकरा में कई फलदार पौधे लगाए। मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए तत्पर हैं। पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा संकल्पित है। कहा कि पेड़-पौधे हमें जीवन देते हैं। इसलिए हमारे पूर्वज भी पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूक थे। इस मौके पर नरेश गंझू, अमृत भोगता, विनय खलखो, प्रकाश महतो, प्रभाकर गंझू, हेमलाल गंझू, सोनू कुमार आदि मौजूद थे।

बीरबांकी में नहीं है एक भी हाइस्कूल

अड़की (आजाद सिपाही)। बीरबांकी इलाके में एक भी हाई स्कूल नहीं है। वर्ष 2014 में प्रोजेक्ट हाई स्कूल संचालित होती थी, जो अब बंद हो चुकी है। ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को झापन सौंपकर पुनः उक्त स्कूल को चालू करने की मांग की है। बताया कि विधालय के भवन बने हुए है। बावजदू इसके यहां के सात पंचायतों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए हाई स्कूल की मांग की गई। दूसरी ओर, रविवार को अड़की प्रखंड के बीरबांकी में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का शिलान्यस किया था। इसके लिए 12 एकड़ जमीन मुंडाओ ने दान दिया है। इस बाबत ग्रामीणों ने मंत्री अर्जुन मुंडा को झापन सौंप कर 10 बच्चों का विद्यालय में नामांकन एवं चतुर्थ श्रेणी में नौकरी देने की मांग की है।

पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य: डॉ जे घोष

विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कृषि विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को संयुक्त रूप से पर्यावरण के लिए जीवन लाइफ थीम पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ जे घोष ने किसानों को बताया कि पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए, विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष पांच जून को मनाया जाता है। यह एक ऐसा विश्वव्यापी अवसर है, जो मानव जाति को पर्यावरण के प्रति जागरूकता और क्रियाशील होने के लिए विश्व के अरबों लोगों को एकजुट करता है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था है। इस दृष्टिकोण से आनेवाले प्रत्येक वर्ष हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी अधिक है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने मिशन लाइफ को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की राष्ट्रव्यापी पहल की है। इस मिशन की शुरूआत वर्ष 2021 में हो चुकी है। डॉ प्रदोष ने बताया कि जैसे-जैसे शहर विकसित हो रहे हैं, हरियाली कम और कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। प्रदूषण लगातार हमारी सांसें कम कर रहा है। डॉ राजन चौधरी ने कहा कि 2050 तक मानसून से होनेवाली वर्षा में 70 फीसदी तक गिरावट की भविष्यवाणी भारतीय कृषि की सेहत को बिगाड़ सकती है। अनुमान लगाया है कि आनेवाले 80 वर्षों में खरीफ फसलों के मौसम में औसत तापमान में 0.7 से 3.3 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। इसके साथ वर्षा भी कमोबेश प्रभावित होगी, इससे रबी के मौसम में गेंहू की उपज में 22 फीसदी की गिरावट आ सकती है और धान का उत्पादन भी 15 प्रतिशत तक कम हो सकता है। किसानों को पर्यावरण को बचानें के लिए अत्यधिक मात्रा में पौधा रोपण करना चाहिए मौके पर किसानों को खेतों में पराली न जलानें की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में किसानों के बीच मडुवा बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 किसानों ने हिस्सा लिया।

पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने किया पौधरोपण

खूंटी (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को मारवाड़ी युवा मंच खूंटी नगर शाखा ने पीडीटोली में पौधा रोपण किया। मौके पर मौजूद मंच के अध्यक्ष अंकित जैन और पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि आनेवाले मानसून में अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए। मंच ने कई बार अपने रक्तदान शिविर में रक्त दाताओं को पौधा भेंट कर जागरूकता फैलाई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच की पर्यावरण एवं स्वच्छता संयोजिका प्रियंका जैन, काजल जगनानी, सिमरन जैन और शिखा पीपुरिया ने योगदान दिया। उपाध्यक्ष निक्की जैन, सचिव मुकुल पीपुरिया, अशोक जैन, प्रवीण जैन, रोशन जगनानी, शुभ गाड़ोदिया, अद्विक बकलीवाल, श्वेता भाला, रिंकू जैन आदि उपास्थित थे।

डालसा ने वन विभाग के सहयोग से किया पौधरोपण

खूंटी (आजाद सिपाही)। झालसा रांची के निर्देशन और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस पर डालसा की ओर से सोमवार को शहर के हुटुबदाग में वन विभाग के सहयोग से 50 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने उपस्थित लोगों के बीच पर्यावरण संरक्षण में पेड-पौधों के महत्व और जल, वन, मृदा के संरक्षण पर जोर दिया। कहा कि आनेवाली पीढ़ी के लिए हमें पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित करना है। चीफ एलएडीसी राजीव कमल ने बताया कि वर्ष 2023 के पर्यावरण एजेंडा में प्लास्टिक का प्रयोग समाप्त और पर्यावरण में निवेश करना है। सहायक वन संरक्षक अर्जुन बड़ाईक और अधिवक्ता मदन मोहन राम ने पर्यावरण के महत्व और मनुष्य के लिए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डालसा पीएलवी अंजू कच्छप, लक्ष्मी कुमारी, ज्योति भेंगरा आदि शामिल थे।

डीआइजी रांची रेंज अनूप बिरथरे ने किया खलारी डीएसपी कार्यालय का निरीक्षण

जनता से करें अच्छे से संवाद और लंबित मामलों को त्वरित करें निष्पादन : डीआइजी

आजाद सिपाही संवाददाता

साजेंट के नेतृत्व में डीआइजी अनूप बिरथरे को गार्ड ऑफ ऑनर देते जवान।

खलारी। डीआइजी रांची रेंज अनूप बिरथरे ने सोमवार को खलारी डीएसपी कार्यालय का निरीक्षण किया। खलारी पहुंचने पर सार्जेंट के नेतृत्व में जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे पूर्व डीआइजी ने खलारी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, खलारी सीमेंट फैक्ट्री की स्थिति सहित यहां जमीन संबंधी बातों की जानकारी ली। वहीं खलारी डीएसपी अनिमेष नैथानी, थाना प्रभारी इंस्पैक्टर फरीद आलम, मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी राणा जंगबहादुर सिंह, चान्हो थाना प्रभारी रंजय कुमार, मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने डीएसपी कार्यालय के जर्जर भवन को भी देखा। जिसके बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क लूट, डकैती, छिनतई आदि मामलों पर ध्यान केंद्रीय करने के साथ ही वर्ष 2017-18 में दर्ज मामले का निष्पादन करने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर सभी थाना प्रभारी को केस डिस्पोजल करने का लक्ष्य भी दिया। साथ ही अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले लोगों व आम जनता से बात करने और उनसे अच्छे से व्यवहार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने नक्सलवाद पर भी वार्ता कर कार्रवाई करने की बात कही। अंत में खलारी थाना के नये भवन सहित एसडीपीओ ऑफिस व उसके आवास के भेजे गये प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली। कहा कि खलारी में नये थाना भवन व एसडीपीओ ऑफिस व आवास का निर्माण कार्य शीघ्र कराया जायेगा। निरीक्षण करने के बाद अपराह्न 3.30 बजे वे वापस लौट गये। म्मालूम हो कि पिछले 13 वर्षो से डीआइजी लेवल का निरीक्षण लंबित था। पिछले साल दो बार सिर्फ ग्रामीण एसपी द्वारा निरीक्षण किया गया था।

अनगड़ा के बेंती पैना पहाड़ में पर्यावरण मेला का आयोजन, शामिल हुए केंद्रीय मंत्री

आदिवासी प्रकृति के संरक्षक हैं: अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड के बीसा पंचायत अंतर्गत बेंती पैना पहाड़ में सोमवार को पर्यावरण मेले आ आयोजन किया गया। ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति बेंती की ओर से आयोजित मेले का उद्घाटन केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री व खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा के अलावा सांसद संजय सेठ, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैलेंद्र कुमार, अमरनाथ चौधरी, भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा के अध्यक्ष आरती कुजूर, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, जिप सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, अनुराधा मुण्डा, आजसू के पारसनाथ उरांव, अरशद यार खान आदि ने सयुंक्त रूप से किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम में नागपुरी कलाकारों ने गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को पर्यावरण का महत्व बताया। इससे पूर्व पैना पहाड़ में पाहन द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम को शुरू किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेला समिति के अध्यक्ष सत्यदेव मुण्डा ने की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आदिवासी प्रकृति संरक्षक हैं। वैश्विक परिवेश के बदलते समय में पर्यावरण परिवर्तन गंभीर चुनौति है। हम सभी को मिलकर इसका सामना करना है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आंदोलन का मूल उद्देश्य था कि प्रकृति के साथ सामजस्य स्थापित कर जीव-जंतुओं का अस्तित्व बरकरार रखना। भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए आंदोलन किया था। आज उसी का परिणाम है कि आदिवासी इलाकों में पेड़, पौधे, नदी-नाला संरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि बेंती में बनने वाला एकलब्य आर्दश आवासिय विद्यालय में सिर्फ अनगड़ा प्रखंड के ही आदिवासी बालक-बालिकाओं का नामांकन होगा। मौके पर अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया।

बदलते समय में पर्यावरण परिवर्तन गंभीर चुनौती, हम सभी को मिलकर इसका सामना करना है

मेला का उद्घाटन के अवसर पर मौजूद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा व अन्य।

हाथी के पहुंचते ही मच गयी भगदड़

कार्यक्रम चलने के दौरान अचानक कुछ दूरी पर दो जंगली हाथी दिख गये। जंगली हाथियों के पहुंचनें ही वहां भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। हाथियों को देखकर डर से कई अतिथि वहां से चले गये। हालांकि बाद में ग्रामीणों द्वारा शोर मचाने के बाद हाथी वगैर कोई क्षति पहुंचाये वहां से चले गये। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यदेव मुंडा, मुखिया मंजोति देवी, पंसस मानेश्वर मुंडा, गंधिया करमाली, बनु बेदिया, कमलाकांत मुण्डा, बालकराम मुण्डा, अजय करमाली, संजय भोगता, टुनी देवी, इमा देवी, पुनम देवी, बानेश्वर मुण्डा, दीपक मुण्डा, गंगा मुण्डा, गणेश भोगता, शालिकराम पहान, विजय मुण्डा, रोशन बेदिया, तीर्थ पहान, राजेन्द्र मुण्डा, जतरू भोगता, सलुवा करमाली, रोहित बेदिया, लालजी बेदिया आदि का योगदान रहा।

अर्द्धनग्न कर कोंचिग संचालक की पिटाई

छात्राओं ने लगाया यौन शोषण का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के रवि स्टील में छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में एक कोचिंग संचालक की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक बिहार के सिवान जिले के रहने वाले पशुपति नाथ कुशवाहा रांची के कोकर में रहता है। वह लगभग चार साल से रातू रवि स्टील में कोचिंग सेंटर चलाता था। जिसमें दर्जनों बच्चियां उसके पास पढ़ने जाती थी। आरोप है कि शिक्षक पशुपति कई बच्चियों के साथ अश्लील हरकत व यौन शोषण करता था। उसकी हरकतों से तंग आकर बच्चियों ने शिक्षक की शिकायत अपने परिजनों से की। इसके बाद गुस्साये परिजनों ने शिक्षक को परड़ कर सरेराह अर्द्धनग्न कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। उधर, घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे ग्रामीणों के चंगुल से बचाा और थाने ले आयी। पिटाई से घायल कोचिंग संचालक का इलाज रातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। मामले को लेकर रातू थाने में छात्राओं के परिजनों ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है।

महत्वपूर्ण न्यूज

इटकी में रांची पुलिस की कार्रवाई, 15 जुआरी गिरफ्तार

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी व रांची पुलिस की ओर से जुआ के खिलाफ संयुक्त छापामारी अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 जुआरियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इस दौरान जुए के अड्डे से चार लाख 18 हजार 500 नगद रुपए भी बरामद किया गया। साथ ही 15 बाइक व 16 चार पहिया वाहन के साथ ही जुआ खेलने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई। थाना प्रभारी अमित प्रशांत के अनुसार बारीडीह बस्ती व इटकी मोड़ के समीप जुआ खेले जाने की काफी दिनों से सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई। हालांकि पुलिस के आने की सूचना मिल जाने के कारण सभी जुआरी जूते-चप्पल वहीं छोड़ कर भागने लगे। पर पुलिस के जवानों ने कईयों को दबोच लिया। इस दौरान मेले में खरीदारी करने गये कुछ आम लोगों को भी पुलिस ने पकड़ किया और उन्हें थाने ले गयी। जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। वर्तमान में इटकी थाना परिसर चार पहिया वाहन के शोरूम में तब्दील हो चुका है।

विगा मिंज जदयू के मांडर विधानसभा क्षेत्र के संगठन प्रभारी बनाये गये

बेड़ो (आजाद सिपाही)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने इटकी थाना क्षेत्र के कुंदी गांव निवासी विगा मिंज को मांडर विधानसभा क्षेत्र का संगठन प्रभारी नियुक्त करते हुए पार्टी के सिद्धांत के अनुरूप काम करते हुए संगठन को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं इनके संगठन प्रभारी बनने से मांडर विधानसभा क्षेत्र में हर्ष है। जबकि विगा मिंज ने खीरू महतो का अभार व्यक्त किया है। साथ ही पार्टी हित में निष्ठा पूर्वक कार्य करने की बात कही।

नगर भ्रमण के साथ ककरिया में दो दिवसीय अखंड हरिकीर्तन का समापन

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ककरिया में आयोजित दो दिवसीय अखंड हरि कीर्तन का सोमवार को समापन हो गया। मंडा टांड़ प्रांगण में विधिवत पूजा-अर्चना व हवन के साथ शुरू हुए हरिकीर्तन के मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा था। वहीं हवन के सारे अनुष्ठान पूजारी राम शंकर पाठक, सीताराम पाठक व सुरेश देवघरीया ने कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में लक्ष्मीनारायण साहू, आशिष सेन, विजय साहू, नुनकरन साहू, उमेश कुमार, मनोज कुमार, गंगाधर साहू, राम रतन साहू, अमित कुमार, नंदलाल साहू और तुलसी साहू आदि का योगदान सराहनीय रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीआइटी में कई कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सीआइटी में विद्यार्थियों की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रात: बेला में विद्यार्थियों ने साइकिल रैली निकाल लोगों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इसके बाद सड़क पर सामूहिक रूप से सफाई अभियान चलाया। रैली का आयोजन संस्थान से लेकर मासू स्थित मिलन चौक तक किया गया। इसके बाद संस्थान में एन इंस्टियाटिव टू प्रमोट सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज विषय पर भाषण, क्विज व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें अब्बल आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। बता दें कि कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के एनएसएस व उन्नत भारत अभियान टीम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ अरशद उस्मानी, प्रो स्वेता सोनाली धाल, प्रो अमित चतुवेर्दी, प्रो बिनोद कुमार, प्रो अभिषेक कौशल,प्रो अपराजिता कुमारी आदि शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आरएसएस बाल स्वयं सेवकों के बीच कबड्डी एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सिल्ली (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयमसेवकों के बीच राधिका मैदान शाखा में सोमवार को कब्बड्डी एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 30 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। मुख्य शिक्षक चंदन लोहार समेत अन्य ने पुरस्कारों का वितरण किया।

पूर्व विधायक की पहल पर हाइटेंशन तार लगाने पर राजी हुए ग्रामीण

बेड़ो में पूर्व विधायक, एग्जक्यूटीव इंजीनियर व जेइ ने ग्रामीणों के साथ की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय के हठुआ पुल के समीप बन रहे बाय पास सड़क के बगल से बिजली के हाईटेंशन तार घरों के ऊपर से गुजारने को ग्रामीणों तैयार नहीं थे। जिसकी सूचना पर तोरपा के पूर्व विधायक पौलुस सुरीन सोमवार को वहां पहुंचे और विद्युत विभाग के एक्जक्यूटीव इंजीनियर हिमांशु कुमार, जेई राजेंद्र प्रसाद चौधरी एनएचएआई के इंद्र नेगी, लोकेश हरबोला व राहुल जोशी ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर मामले को सुलझाते हुए ग्रामीणों को राजी कराया। विधायक और एक्जक्यूटीव इंजीनियर की पहल पर ग्रामीणों ने हाइटेंशन तार घर के बगल से जाने की हामी भरी। जानकारी के अनुसार बाइपास सड़क के बगल से तार के खंभा को लगाने को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई थी। ग्रामीणों का कहना था कि तार अगर घर के ऊपर से गुजरेगा तो, हमेशा खतरे की संभावना बनी रहेगी। ग्रामीणों की शिकायत पर तोरपा के पूर्व विधायक ने उक्त स्थल का मुआयना किया। विधायक ने कहा कि आम जनता को परेशानी न हो, अफसर ध्यान रखें। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि विभाग कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेगा जिससे लोगों को जान माल का खतरा हो। विधायक एवं एक्जक्यूटीव इंजीनियर की बातों से संतुष्ट ग्रामीणों ने बाद में घर के बगल से हाइटेंशन तार ले जाने की इजाजत दे दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अलग-अलग संस्थानों ने कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को किया जागरूक

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस पर नवागढ़ पंचायत के ओबर गॉव में आइसीआइसीआइ फाउंडेशन ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेंद्र शाही मुण्डा और नवागढ़ मुखिया भुवनेश्वर बेदिया शामिल हुए। सर्वप्रथम गांव की महिलाओं-पुरुषों ने प्रभात फेरी निकाली। इसके बाद फलदार पौधा रोपण करने के साथ ही बच्चों के बीच पर्यावरण से संबंधित पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 55 बच्चों ने भाग लिया। सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं जनकल्याण समर्पण संस्थान की अर से हरातु पंचायत में 100 फलदार पौधा लगाया व वितरण किया गई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि बोकारो के भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बिनोद कुमार शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण अति आवशयक है। वहीं, संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने कहा कि संस्थान की ओर से पिछले 9 वर्षों से हर वर्ष हजारों की संख्या में पौधरोपण एवं वितरण किया जाता रहा है। इस वर्ष भी पांच हजार पौधरोपण एवं वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा झारखंड विद्युत परियोजना सिकिदीरी परिसर में भी पौधरोपण किया गया। परियोजना प्रबंधक विनय अंगिरा ने कहा कि जिस तरह भोजन के बैगर व्यक्ति जिंदा नहीं रह सकता ठीक उसी प्रकार जिंदा रहने के लिए पेड़ पौधों का होना जरूरी है। इस मौके पर कार्यपालक अभियंता संजय सिंह, प्रवीण कुजूर मुरली सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पयार्वरण संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व को बचाये रखने के लिए महत्वपूर्ण है : राजेश

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल अनगड़ा के कमांडेंट एसडी शेरखाने के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय परिसर में सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा ली गई। इस मौके पर मास मोबलाइजेशन फॉर मिशन लाइफ अभियान का शुभारंभ किया गया। साथ ही सैकड़ो पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट एसडी शेरखाने ने आम का पौधा लगाने के साथ किया। कार्यक्रम में वाहिनी के समस्त अधिकारी व बलकर्मी मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंतर्गत वाहिनी मुख्यालय सहित सभी समवायों में भी सैकड़ों पौधे का रोपण करने का निर्देश दिया। बाद में कमांडेंट ने प्रत्येक जवान को हर वर्ष पौधारोपण करने का निर्देश दिया। इस क्रम में वाहिनी मुख्यालय के समीप सिरका पंचायत के सरना स्थल में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम मं बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप के अलावा सहायक कमांडेंट निलेश मासुले, निरीक्षक मृत्यूंजय कुमार, मुखिया रोशनलाल मुण्डा, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा, समाजसेवी जगेश्वर महतो, पारसनाथ महतो, प्रणव महतो, फलिन्द्र महतो, दिलेश्वर महतो, एतवा उरांव आदि उपस्थित हुए। विधायक ने कहा कि पयार्वरण सरंक्षण मानव जीवन के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए अति महत्वपूर्ण है। अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ-साथ वातावरण को शुद्ध बना सकते हैं।

लूट-रंगदारी मांगने के मामलों में लिप्त आरोपित अब भी पुलिस की पकड़ से दूर

लापुंग (आजाद सिपाही)। फतेहपुर ककरिया मोड़ पर गत जून को लूट की घटना की प्राथमिकी लापुंग थाना में पीएलएफआइ ब्लैक टाइगर के शाखा उप कमांडर के नाम पर दर्ज करायी गयी थी। हथियार के बल पर लूट की घटना के 72 घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपित पुलिस की पकड़ से दूर है। वहीं, विगत 16 अप्रैल को एक लाख रुपये की रंगदारी के लिए ब्लैक टाइगर के नाम से ही पोस्टर लगाकार मांगी गयी थी थी। उक्त घटना की भी थाने में लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। लेकिन डेढ़ 50 दिन से अधिक होने के बावजूद आरोपित को पुलिस पकड़ नहीं पायी है। अपराधी हथियार के साथ खुलेआम घूम रहे हैं और विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। रंगदारी के लिए पोस्टर लगा रहे हैं। इसमें सबसे उपर ब्लैक टाइगर नाम आ रहा है, जो पीएलएफआइ का ही नया आपराधिक संगठन है। इससे क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। जबकि पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है। इस बाबत पूछने पर पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन लोगों को पुलिस के आश्वास पर भरोसा नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि विगत दो जून की शाम 6.30 बजे बंदूक का भय दिखाकर तीन अपराधियों ने एक लाख रुपया लूट लिए थे। घटना को अंजाम देकर दो अपराधी पैदल ही फतेहपुर की ओर भाग निकले, जबकि एक बाइक से भागा। घटना के वक्त पत्रकार रामप्रसाद साहू का छोटा बेटा कंचन कुमार साहू दुकान पर ही था। वह दुकान बंद करक जाने ही वाला था कि फोन पे से 500 रुपये निकालने के बहाने तीनों अपराधी उसके पास पहुंचे थे और घटना को अंजाम दिया था।

टाटीसिलवे में मनी बृज बिहारी पांडे की 11वीं पुण्यतिथि

नामकुम (आजाद सिपाही)। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे में सोमवार को स्वर्गीय बृज बिहारी पांडे पुजारी की 11वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इस अवसर पर ऑल डे केयर सेंटर का शुभारंभ बुजुर्गों को साड़ी, धोती का वितरण एवं वृक्षारोपण कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा सचिव एवं झारखंड राज विद्युत निगम के लोकायुक्त महेंद्र प्रसाद ने किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा डॉ मधुसूदन पांडे ने किया। उन्होंने बताया कि एक्यूप्रेशर प्राकृतिक से जुड़ने की अद्भुत कला है। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर आम जनों को एक्यूप्रेशर से जुड़ने पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने की गरिमा को बताया। कहा कि पंचतत्व से शरीर के विभिन्न अवयव को प्राण ऊर्जा द्वारा संचित कर हम स्वस्थ लाभ ले सकते है। वहीं, महेंद्र प्रसाद ने ओल्ड डे केयर का उद्घाटन करते हुए कहा कि बुजुर्गों का ध्यान रखने के लिये ओल्ड डे केयर की सोच सराहनीय है। मैं तन मन धन से इसे आगे बढ़ाने और एक्यूप्रेशर को आम जनों तक पहुंचाने के लिये प्रयत्न शील रहूंगा। इस अवसर पर संस्था के डॉ बलराम महतो, रुकमणी कुमारी, सरस्वती कुमारी, निरंजन चौधरी, संदीप पांडे, भोला नाथ ठाकुर, लखन मिश्रा, नरेश महतो, सिंधु महतो के साथ कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जन समूह मे औषधीय पौधों का वितरण किया गया। जिसमें नीम, बेल, जामुन, महुआ आदि के पौधे थे। धन्यवाद ज्ञापन सुरेंद्र ठाकुर ने किया।

बेड़ो में झांफकोफेड ने 60 महिलाओं के बीच किया टूल किट का वितरण

कृषि में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण : लक्ष्मी कोया

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव स्थित सांस्कृतिक भवन में सोमवार को झाम्फकोफेड कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से लघु वनोपज के विनाश-विहीन विदोहन के मॉर्डन टूल्स किट का वितरण किया गया। झाम्फकोफेड के आहरण प्रबंधक सुधीर कुमार, तकनीकी पदाधिकारी नीलम कुमारी, मुखिया लक्ष्मी कोया और पूर्व मुखिया सुनील कच्छप लैम्पस के अध्यक्ष चरवा उरांव, गोयंदी उरांव ने जागृति प्रकाश, दीपक, एकता व मिसी स्वयं सहायता समहू को 10-10 और नगड़ी लैम्पस को 20 टूल किट दिया। लैंपस अध्यक्ष चरवा उरांव के प्रयास से जामटोली पंचायत के महिलाओं को यह टूल किट उपलब्ध हुआ है। झाम्फकोफेड के नीलम कुमारी ने टूल किट के बारे में बताया कि इस किट से पेड़-पौधों को नष्ट होने से सुरक्षित रखा जा सकता है। वहीं, सुधीर कुमार मंडल ने बताया कि महुआ, इमली, आम तोड़ने से गंदे जगह पर गिरता है, फिर उसे चुन कर खा जाते हैं। इससे बीमारी बढ़ती है, लेकिन यह टूल किट से आप साफ सुथरा चीज खा पाएंगे और बीमारी से दूर रहेंगे। अपने काम के समय को जल्द कर पाएंगे। वहीं, मुखिया लक्ष्मी कोया ने कहा कि कृषि में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। गांव से पलायन की समस्या दूर करने के लिए गांवों को सुविधा संपन्न बनाना होगा। उन्होंने महिलाओं से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में बढ़कर कार्य करने बात कही। अनाज उगाने से लेकर भोजन बनाने तक में महिलाओं की ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जबकि, पूर्व मुखिया सुनील कच्छप ने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी तो समाज सशक्त होगा। टूल किट वितरण से आर्थिक और सामाजिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। समूह की महिलाएं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकेंगी। स्वास्थ्य का ख्याल रख सकेंगी। उन्होंने झाम्फकोफेड को इसमें भूमिका निभाने पर धन्यवाद दिया। इस मौके पर ग्राम प्रधान राम प्रसाद, मुखिया सरिता एक्का, 12 पड़हा राजा विशाल उरांव, नगड़ी लैम्पस अध्यक्ष मुन्नी उराईन, प्रीति तिर्की, सरिता देवी, सूमो उराईन, समिया उराईन नरेश पहान, मुकेश गोप, दिलीप उरांव और राजेश लोहरा आदि मौजूद थे।

टूल किट के साथ महिलाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएवी के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने किया पौधरोपण

सिल्ली (आजाद सिपाही)। विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को सिल्ली के महात्मा आनंद स्वामी डीएवी पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में शिक्षक और बच्चों ने पौधा रोपण कर पेड़-पौधो को संरक्षित करने का संकल्प लिया। मुरी हिंडालको, झालदा रेलवे स्टेशन परिसर समेत कई सरकारी व गैर सरकारी परिसरों में स्कूल के प्रधानाचार्या बुबुन सरण, समाज सेवी मोतीलाल प्रसाद एवं शिक्षकों ने पौधे लगाए। वहीं लोगों को पेड़-पौधे लगाकर संरक्षित करने और प्लास्टिक के उपयोग न करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के एसएन मुखर्जी, खुशबू शर्मा, छात्र-छात्राएं आदि शामिल थे।

अपील : सामूहिक प्रयासों से ही होगा पर्यावरण का संरक्षण : अखिल मिश्रा

पर्यावरण संरक्षण में आम लोगों की सहभागिता जरूरी है: सौमित्र शुक्ला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/मेदिनीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सोमवार को रांची पत्र सूचना कार्यालय एवं डालटनगंज केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से संयुक्त रूप से वैश्विक थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन एवं मिशन लाइफ विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका संचालन कर रहे क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव कुमार पुष्कर ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारत के वैश्विक स्तर पर क्लाइमेट चेंज के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं 25 आदतों जिनसे कि हर कोई पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकता है को दिखाया गया। वहीं, बतौर मुख्य अतिथि के रूप में वेबिनार को संबोधित करते हुए मेदिनीनगर फॉरेस्ट डिविजन के जिला वन पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला ने कहा कि आज हम 51वां विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में

सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं होगा पर्यावरण संरक्षण : कौशल किशोर जायसवाल

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वेबिनार में जुड़े प्रख्यात पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल समेत प्रबुद्ध लोग।

मिशन लाइफ के तहत लोगों को पानी, बिजली, ईंधन बचाने के तरीकों के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में आम लोगों की सहभागिता जरूरी है। बढ़ती आबादी के कारण विकास के लिए पेड़ काटे जाते हैं, लेकिन एक पेड़ काटने पर 10 पौधे लगाने का प्रावधान है। झारखंड सरकार मुख्यमंत्री जन-वन योजना एवं बिरसा हारित ग्राम योजना के तहत पौधे लगाने के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पत्र सूचना कार्यालय के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पांच उपाए बताए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक प्रयासों के जरिए ही हो सकता है। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद वनराखी मूवमेंट के प्रणेता एवं प्रख्यात पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल ने कहा कि वनों को बचाना हमारा सामूहिक दायित्व है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हर खास मौके पर जैसे-शादी, जन्मदिन, श्राद्ध आदि के दिन पौधे लगाकर उत्सव मनाएं। आज हम अर्थ का अनर्थ कर रहे हैं। सिर्फ सरकार के भरोसे छोड़ने से पर्यावरण का संरक्षण नहीं हो सकता है। आज का समय वृक्षों की खेती करने का है। वहीं, पटना पत्र सूचना कार्यालय से जुड़े उप निदेशक संजय कुमार ने कहा कि आज खतरे में धरती नहीं हम हैं। प्लास्टिक प्रदूषण जीव-जंतुओं को भी निगल रहा है। पक्षियों की आबादी धीरे-धीरे कम हो रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए गर्मियों के मौसम में घर की छतों पर दाना एवं पानी रखने की भी अपील की। ऑक्सीजन मैन के नाम से प्रख्यात एवं पर्यावरणविद् दिग्विजय भारत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। आज हम पेड़ नहीं काट रहे हैं, बल्कि अपनी मौत की तारीख लिख रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक चिंतन की जरूरत है और इसके लिए युवाओं को आगे आना होगा। वेबिनार में नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी के साथ ही स्वयंसेवकों, पीआइबी एवं सीबीसी के अधिकारी-कर्मियों, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के अधिकारी-कर्मियों की उपस्थिति रही।

पर्यावरण नहीं बचाया तो धरती से मिट जायेगा जीवन का नामोनिशान: अविनाश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। अर्धशताब्दी पहले दुनिया के 119 देशों ने यह महसूस कर लिया था कि अगर प्रकृति व पर्यावरण को नहीं बचाये तो धरती से जीवन का नामोनिशान मिट जाएगा। इसीलिये संयुक्त राष्ट्र संघ ने पांच जून की पहली बैठक को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में घोषणा की। लेकिन स्थापना कि पहली आधिकारिक बैठक स्वीडन में हुई। तब से आज तक पर्यावरण के संरक्षण के लिये दुनिया के तमाम देश निरंतर लगे हुए हैं। उक्त बातें माटी कला बोर्ड के सदस्य अविनाश देव ने कहा। वे विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2023 का मूल थीम है प्लास्टिक कचरा को कम करना। आधुनिक जीवनशैली व आरामतलबी जिंदगी इंसान को मौत के करीब धकेल रखा है। अगर इंसान समय रहते नहीं चेता तो खौफनाक अंजाम सामने होगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न संगठनों को साथ लेकर कोयल रिवर फ्रंट पर प्लास्टिक कचरा चुन कर प्लास्टिक मुक्त मिट्टीयुक्त प्रकृति व पर्यावरण बनाने का संकल्प लिए। इस अभियान को मेदिनीनगर नगर निगम के पदाधिकारियों ने आयोजित व संचालित किया। इस दौरान अविनाश देव बतौर ब्रांड एम्बेसडर अभियान में शामिल हुए। उन्होंने प्लास्टिक से निजात पाने की दिशा में साहसिक व क्रांतिकारी कदम उठाने का विनम्र संदेश दिया। कहा कि अपनी जान की कीमत पर भी पर्यावरण को बचाना है।

लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी : कर्नल संजय

एटूजेड कोचिंग संस्थान ने 10वीं व 12वीं के टॉपर्स को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के ए टूजेड कोचिंग संस्थान ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को 10वीं और 12वीं में टॉपर करने वालों को सम्मानित किया। इसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक पंकज सिंह और संचालन अंग्रेजी शिक्षक दिलीप कुमार सागर ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल डॉ संजय कुङ्क सिंह और जपला गर्ल्स स्कूल के पूर्व प्रधानध्यापक शिवनारायन सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में इस वर्ष इंटर में टॉपर करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने उपहार व मेडल देकर सम्मानित किया। इनमें बबिता कुमारी 464 अंक जिला में 7वां स्थान, अंजलि, सरीचा, सोनी, स्नेहा कौर, हिमांशु, किरण, प्रीति, स्वेता, रिमझिम, पम्मी, जबकि हैदरनगर हाई स्कूल से टॉपर निखिल कुमार, श्रीधर, विनय, हरिओम, विष्णु, सूचित, प्रियंका, दीपक, रोशन, आकाश, रितेश, अंकित, रितेश और विशाल आदि शामिल हैं। साथ ही 10वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं में सहिस्ता परवीन, स्नेहा, दिलीप, युराज, आकांछी और आराध्या आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कर्नल डॉ संजय ने बताया की अपनी मेहनत सतत जारी रखना चाहिए। लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी है। इस दौरान शिक्षक धुरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, नलिन, अरुण, दिलीप रमेश और अंकित ने बताया कि इस कोचिंग का परिणाम पिछले 12 वर्षो से जिला टॉप टेन में रहा हैं। प्रत्येक वर्ष यहां पढ़ने वाले छात्र अपने स्कूल से टॉप करते हैं।

भ्रष्ट पदाधिकारियों के कारण राज्य सरकार की हो रही बदनामी : ऋषि

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के विश्रामपुर नगर अध्यक्ष ऋषि पांडेय ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट पदाधिकारियों के कारण राज्य सरकार की बदनामी हो रही है। भ्रष्ट अधिकारी-कमचारी विपक्षी पार्टियों से मिलकर एक षड्यंत्र के तहत सरकार को बदनाम करने में लगे है। मुख्यमंत्री को भ्रष्ट पदाधिकारियों को चिन्हित करते हुये, उनपर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिये। वे बी मोड़ पर नगर कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने विश्रामपुर नगर परिषद कार्यालय व प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर कई गंभीर आरोप लगाया। कहा कि दोनों कार्यलयों में अनियमितता व भ्रष्टाचार चरम पर है। पदाधिकारी से कर्मचारी तक भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है। इनलोगों के कारनामों से जनता तो त्रस्त है ही राज्य की यूपीए सरकार की भी बदनामी हो रही है। विश्रामपुर नगर परिषद के सहायक नगर आयुक्त व बीडीओ सह प्रभारी सीओ के कार्य प्रणाली की जानकारी मुख्यमंत्री सहित कांग्रेस के सभी मंत्रियों को देंगे। नप व प्रखंड कार्यालय के भ्रष्टाचार से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दूबे व जिलाध्यक्ष से मिलकर अवगत करायेंगे। उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि भ्रष्टाचार में लिप्त पदाधिकारियों को तत्काल विश्रामपुर से हटाया जाये। इस मौके पर नगर उपाध्यक्ष अली नवाज, चंदन गुप्ता, निजाम अंशारी, चंदन राम, सैफुल हक, कामिल रजक, नवीन पांडेय, मुलि पांडेय, विनोद चौधरी सहित कमेटी के कई लोग मौजूद थे।

पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद ने निकाली जागरूकता रैली

विश्रामपुर/पलामू। विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्रामपुर नगर परिषद की ओर से जागरूकता रैली निकाली गयी। जिसकी शुरूआत पौधरोपण कर किया गया। इसके बाद विशेष साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। नगर परिषद कर्मियों ने गांधी चौक के पास अपने आसपास साफ-सफाई व पेड़ो की संरक्षण का संकल्प भी लिया। नगर प्रबंधक सुभाष हेंब्रम ने कहा कि अंधाधुंध पेड़ों की कटाई व पहाड़, नदी-नालों के दोहन के कारण दिनोदिन प्रकृतिक का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन बनाये रखने के लिये पौधारोपण व संरक्षण बेहद जरूरी है। हम सब का दायित्व है कि अनियंत्रित होते प्रकृतिक संतुलन को सुधारने हेतु हर संभव प्रयास करे।

प्लास्टिक का इस्तेमाल रोक कर पर्यावरण की सुरक्षा करें: प्राचार्या

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। ज्योति प्रकाश महिला बीएड कॉलेज में पौध रोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनया गया। 2023 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम बीट प्लास्टिक प्रदूषण के अंतर्गत शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय की प्राचार्या ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम प्लास्टिक का इस्तेमाल कर-के या उसके अन्य वैकप्लिक तारिकों के प्रयोग से प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान दे सकता है। इस दौरान पर्यावरण के प्रति शिक्षण महाविद्यालय में सभी सहायक प्राध्यापकों, एवीएम, प्रशिक्षणरत छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण को सुरक्षित कर प्रकृति के संरक्षण में अपने योगदान देने का शपथ लिया। पर्यावरण दिवस अवसर पर सभी छात्राओं ने अपने घर पर एक पौधा लगाने का संकल्प लिया।

पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी सबसे बड़ा धर्म : प्राचार्य

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को एके सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से पर्यावरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका शुभारंभ प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह, प्रो शशि भूषण, प्रो मुकेश कुमार और प्रो राहुल कुमार सिंह द्वारा इलायची एवं सुपारी के पौधे लगाकर किया गया। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा के लिए उपस्थित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मचारियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और सैकड़ों छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी हमारा मानव धर्म भी है। इस दौरान धरती कहे पुकार के नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रो डॉ आलोक रंजन आदि थे।

भाजपा ने रेहला व कधवन में विकास तीर्थ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया

मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे गरीब-किसान: वीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सांसद विष्णु दयाल राम व अन्य।

मेदिनीनगर। मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरा होने के अवसर पर भाजपा ने गांव-गांव तक महाजनसंपर्क अभियान शुरू किया है। इसी अभियान के क्रम में भाजपा ने सोमवार को विकास तीर्थ यात्रा का आयोजन किया है। जिसके तहत रेहला स्टेशन व कधवन गांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पलामू सांसद विष्णु दयाल राम भी शामिल हुए। उन्होंने रेहला में थर्ड लाइन विस्तारीकरण व कधवन में एनएच 75 फोरलेन योजना के प्रगति का जायजा लिया। सांसद ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार नौ वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन, विकास और गरीब कल्याण का रहा। मोदी सरकार ने जनहित में कई उल्लेखनीय कार्य किया। इस सरकार की हर योजना गरीबों के कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पलामू लोकसभा क्षेत्र भी देश की प्रगति के साथ चला। यहां भी विकास के कई ऐतिहासिक कार्य हुआ। कार्यक्रम के प्रभारी सह सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय व स्थानीय विधायक के जिला प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। मौके पर वरीय भाजपा नेता सुशील कुमार चौबे उर्फ टिकैत चौबे, जिला पार्षद अरविंद सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र पांडेय, प्रफुल्ल सिंह, विभाकर नारायण पांडे, बबन राम, अमरेश तिवारी, सुशील ठाकुर, प्रेमसागर सिंह, सांसद के किला प्रतिनिधि विजय ओझा ,ईश्वरी पांडेय, सुनील पासवान, डॉ विनय प्रसाद शुक्ला, सतीश्वर प्रसाद सिंह, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, मनीष गुप्ता, संतोष राम, विकास चौबे, किरण देवी, मीना देवी, उपेंद्र तिवारी, शंभु शरण सिंह, धर्मेंद्र कुमार, ज्वाला गुप्ता, रामसरीखा पांडेय, देवनारायण सिंह, शिवबंश मिश्रा, श्यामनारायण पासवान, प्रमोद दीक्षित, राजू चौबे आदि मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम ने किया वायु मित्र लॉन्च

पर्यावरण क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को मिलेगी उपाधि

यहां का प्रदूषण स्तर काफी खराब, एजेंसियों के साथ स्थानीय लोग भी ओपनकास्ट खदानों में नियमों का पालन कराना चाहिये : नगर आयुक्त

आजाद सिपाही संवाददता

धनबाद। सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर टाउन हॉल में नगर निगम द्वारा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश से कार्यक्रम आयोजन कर वायु मित्र लॉन्च किया गया। इसके तहत जिले में जो भी लोग पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करते हैं उन्हें वायु मित्र की उपाधि दी जायेगी। इस दौरान नगर आयुक्त सत्येंद्र कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से पर्यावरण को बचाने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सभी के प्रयास से ही हम पर्यावरण को स्वच्छ रखा जा सकता है। विश्व पृथ्वी दिवस से लेकर विश्व पर्यावरण दिवस तक पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाकर जिले के विभिन्न स्कूलों में बच्चों के बीच पेंटिंग व लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। आज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया साथ ही उन्हें वायु मित्र की उपाधि दी गई। पत्रकारों के सवाल के जवाब में नगर आयुक्त ने कहा कि यहां का प्रदूषण स्तर काफी खराब है। उन्होंने कहा कि यहां ओपनकास्ट माइंस चलता है और उन्हें नियमों का पालन कराने के लिए विभिन्न एजेंसियां हैं। एजेंसियों से हमें उम्मीद भी है कि वे नियमों का पालन कराएंगे, पर उनके साथ साथ यहां के लोगों को भी चाहिए कि वे भी खदानों में उत्खनन के नियमों का पालन करायें। सड़कों पर हमारी सफाई मशीन चलती है परंतु कुछ ऐसे जगह है जहां खनन क्षेत्र होने की वजह से हमारी टीम नहीं पहुंच पाती वैसे क्षेत्र के लिए हमने बीसीसीएल को पत्र भी लिखा है। मौके पर मौजूद हेडक्वार्टर डीएसपी 1 अमर कुमार पांडेय ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिस तरीके से हम अपने घर आंगन को स्वच्छ रखते हैं उसी तरह हमें पर्यावरण का भी ध्यान रखना चाहिये।

नवजीवन एकेडमी में पर्यावरण दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

पर्यावरण को बचाने के लिए सामूहिक भागीदारी और प्रयास जरूरी: मिथिलेश

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नवजीवन एकेडमी नुनुडीह कोचिंग संस्थान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण और इससे जुड़ी चिंताओं के प्रति जागरूकता लाना था। कार्यक्रम में नवजीवन एकेडमी के डायरेक्टर मिथलेश दास ने कहा कि मानव के अनियंत्रित जीवन शैली और विकासजनित कार्यों ने पर्यावरण को गंभीरता से प्रभावित किया है जिससे मानव जीवन के समक्ष कई समस्याएं उत्पन्न हो गयी है। आज विश्व की बहुत बड़ी आबादी गन्दा पानी पीने पर मजबूर है, हिम के क्षेत्र तेजी से पिघल रहें है, जंगल और जंगलों से जीवन लुप्त होते जा रहा है। यदि पृथ्वी पर जल संकट गहराता रहा तो मानव सहित सभी जीव जंतु का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। हमें पेड़-पौधों को लगाने की मुहीम चलानी चाहिए। हमारे घरों से निकलने वाले आपशिष्ट पदार्थो को भी प्रबंधन कर वातावरण को स्वच्छ रख सकते है। कार्यक्रम मे शिक्षक मनोज दास, छात्रा संगीता कुमारी, खुशबू प्रवीण, मनीषा कुमारी मंडल, दीपिका कुमारी, मुस्कान खातून, शालिनी कुमारी, तन्नू कुमारी, स्वेता सिंह, राजेश गोराई, पवन कुमार, प्रशांत कुमार, अमन अंसारी, विवेक चंद्रा दास, विष्णु हेम्ब्रम, अंकुश कुमार, कुमकुम कुमारी आदि उपस्थित थे।

बोकारो स्टील प्लांट ने बच्चों और अभिभावकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया

आजाद सिपाही संवाददता

बोकारो । बच्चे किसी भी राष्ट्र का भविष्य होते हैं। पर्यावरण संरक्षण के बारे में स्कूली बच्चों और बोकारो के निवासियों को जागरूक करने के लिए, बोकारो स्टील प्लांट के पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी विभाग ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से इस विश्व पर्यावरण दिवस-2023 में एक अभियान शुरू किया। विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान₹ पर पर्यावरण से संबंधित स्कूली बच्चों के बीच सिट एंड ड्रा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बोकारो के विभिन्न स्कूलों के सौ से अधिक बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सभी बच्चों और माता-पिता ने धरती माता की रक्षा के लिए पर्यावरण शपथ ली। सेल/बोकारो स्टील प्लांट के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के साथ-साथ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), बोकारो चैप्टर द्वारा बच्चों और अभिभावकों के बीच ऑन-द-स्पॉट क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। महाप्रबंधक/पर्यावरण एनपी श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक महाप्रबंधक/पर्यावरण नितेश रंजन ने किया।

वर्ल्ड ग्रीन लाइन ने किया पौधा वितरण और पौधरोपण

बोकारो (आजाद सिपाही)। सामाजिक और पर्यावरण संस्था वर्ल्ड ग्रीन लाइन के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों की संख्या में पौधों का वितरण किया गया। साथ ही चास वार्ड नंबर 15 में बच्चों के साथ पौधा रोपण किया गया। मौके पर अमृत बाउरी, राजेश बाउरी, पिंटू रजक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रकृति को बैलेंस करते हुए हम लोग आगे बढ़ें: एसडीओ चास

बोकारो(आजाद सिपाही)। बोकारो वन प्रमंडल बोकारो के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चंदनकियारी स्थित स्वामी विवेकानंद अटल स्मृति उद्यान में बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन पर कार्यक्रम आयोजित की गयी है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने की जिम्मेवारी हम सभी की, नहीं सम्हले तो वातावरण के अस्तित्व पर खतरा संभव। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बाउरी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त कीर्ती श्री जी, अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, चंदनकियारी प्रमुख निवारण कुमार सिंह सहित प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार और अंचल अधिकारी रामा रविदास उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार

निविदा रद्द करने की सूचना

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार का अल्पकालीन ई0 प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना सं0– DWSD/LTR/SVS-06/22-23 (2nd Call) Dt- 11.03.2023 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR 292274 (Drinking Water and Sanitation) 22-23(D) से प्रकाशित है। उक्त निविदा के ग्रुप सं0– 10 SVS (Barahniyakhar) को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।
पुनः भविष्य में इस ग्रुप का निविदा प्रकाशन की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल
लातेहार

PR 299201 Drinking Water and Sanitation (23-24)_D

शिवशक्ति महायज्ञ को लेकर निकाली कलश यात्रा

आजाद सिपाही संवाददता

तेतुलमारी/कतरास। जिरो सीम कालोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्री शिवशक्ति महायज्ञ को लेकर सोमवार को कलश यात्रा निकाली गयी। जलयात्रा में 351 महिलाएं और युवतियों ने सर पर कलश और धार्मिक पताका लिए तेतुलमारी सुभाष चौक, पांडेडीह का भ्रमण करते हुए तेतुलमारी सूर्य मंदिर स्थित छठ तलाब पहुंची जहां आचार्य कपिलदेव शास्त्री, किशोर शास्त्री, धीरज शास्त्री, रोहित शास्त्री, धनंजय शास्त्री और पप्पू देव पांडेय के मंत्रोच्चार के बाद सभी कलशो पर जल भरण किया गया, तत्पश्चात कलशयात्रा यज्ञ मंडप पहुंची, जहां धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गया। इस दौरान शिव पार्वती, बजरंगबली आदि देवी देवताओं की झांकिया भी मौजूद थीं जो की आकर्षक का केंद्र बना रहा। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान लगातार नौ दिनों तक चलेगा जिसमें प्रवचन, रामलीला सहित भंडारे का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में यज्ञ कमेटी के सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

विभागीय कार्यों के निष्पादन में तेजी लायें: रमैया

धनसार (आजाद सिपाही)। बस्ताकोला ऑफिसर क्लब में सोमवार को बीसीसीएल के डीपी मुरली कृष्ण रमैया ने बीसीसीएल संख्या 6 एवं 9 के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया। इस दौरान क्रमवार कार्मिक विभाग के अधिकारियों से क्षेत्र के पेंशन, आवास, नियोजन, लीगल मामले सहित अन्य कार्यों के निष्पादन के संबंध में जानकारी लिया. उन्होंने अधिकारियों को कार्मिक विभाग के मामले के निष्पादन में तेजी लाने की बात कही। कोयला उत्पादन व डिस्पैच में सहभागिता करने की बात कही। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऑफिसर क्लब प्रांगण में पौधारोपण कर कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने का शपथ दिलाया। डीपी मुरली कृष्ण रमैया के साथ जीएमपी दिलीप बेहरा। सरोज पांडे, सुरेंद्र भूषण, एसके सिंह, अशोक पाल, अभिषेक राय आदि थे. वही बैठक में बस्ताकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक जी सी राय, एके शर्मा, संजीव कश्यप, देवेंद्र सिंह, नागेंद्र यादव, डॉक्टर केएस सिन्हा, देवाशीष बाग सहित दर्जनों अधिकारी उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अख्रियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी

ई० प्रोक्योरमेन्ट अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
T. Reference No. :- DWSD/KH-18/2022-23 (2nd Call)
Date-05.06.2023

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
A)	Construction of Rural Pipe Water Supply Scheme through D.T./HYDT/GPT/HYGPT Solar based 1 HP/ 2 HP D.C. Motor pump Complete set for different tolas of concern village which is not in cluded in MVS and has no electricity or less electricity to supply water 2000 LPH maximum at least 15/30 Years for 24 X 7 Supply with 100 % Coverage by TAP Water Facility in Khunti-(R), Murhu, Karra, and Torpa Block under J.J.M				
1	Dargama Group of SVS under Block- Khunti	30,00,111/-	60000.00	5000.00	6 Months
2	Jariya Group of SVS under Block- Karra	12,22,245/-	25000.00	2500.00	3 Months
3	Stal Group of SVS under Block- Torpa	26,39,597/-	53000.00	5000.00	6 Months
4	Amma Group of SVS under Block- Torpa	99,84,680/-	200000.00	10000.00	6 Months
5	Pakna Group of SVS under Block- Torpa	74,90,954/-	150000.00	10000.00	6 Months
6	Silapat Group of SVS under Block- Karra	21,51,108/-	43000.00	5000.00	6 Months
7	Urmi Group of SVS under Block- Torpa	23,80,575/-	48000.00	5000.00	6 Months
B)	Date of Tender Uploading on Website	06.06.2023/05.00 PM.			
C)	Bid Submission Start Date	06.06.2023/05.00 PM.			
D)	Bid Submission End Date	13.06.2023/05.00 PM.			
E)	Last date of Submission of Cost of BOQ and EMD (Hard Copy)	14.06.2023/05.00 PM.			
F)	Place of receipt of Bid (Hard Copy)	1. Office of the Regional Chief Engineer, D.W. & S. Department Ranchi Zone. 2. Office Of the Superintending Engineer, D.W.&S. Ranchi Circle, Ranchi 3. Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Khunti			
G)	Date of Opening of Tender	15.06.2023/11.00 AM.			
H)	Name & Address of office Inviting Tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.			
I)	Name & Address of opening Officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Khunti.			
J)	Contact No. of Procurement Office	06528-299928			
K)	Helpline No. of e-procurement cell	7717776462			

नोटः–विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट – http://jharkahndtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी

PR 299221 (Drinking Water and Sanitation)23-24*D

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन ने दिया धरना, ज्ञापन सौंपा

कोडरमा(आजाद सिपाही)। 5 जून को फेयर प्राईस शॉप डीलर्स एसोसिएशन प्रदेश के निदेर्शानुसार पूरे झारखंड में जिला मुख्यालय समाहरणालय परिसर में 9 सूत्री मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल के नाम अपनी 9 सूत्री मांगों को ज्ञापन सौंपा गया। इस महाधरना प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गोपाल कुमार गुतुल ने की। हमारी समस्याएं इस प्रकार है। जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना को चला रहे हजारों जन वितरण विक्रेता और स्वयं सहायता समूह के सदस्य आर्थिक संकट का सामना करते हुए व्यवस्था में भी विभिन्न समस्याओं को लगातार झेलते आ रहे हैं। जिसे राज्य सरकार के समक्ष गुहार लगाते रहने के बावजूद भी कोई संज्ञान नहीं लेने से सभी विक्रेता आहत हैं। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कमीशन में वृद्धि करने और मानदेय पर विचार करने का आश्वासन के बावजूद राज्य सरकार आपूर्ति विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। धरना में मुख्य रूप से राजेंद्र सिंह, बासदेव पांडेय, जूही दास, पवन पांडेय, डोमन मेहता, सुरेश पांडेय, मनोज पाण्डेय, कौसर खान, द्वारिका कुमार, राम लखन यादव, विकास कुमार, विनोद कुमार बरनवाल, महानंद सिंह, अशोक कुमार, रंजीत कुमार, शाहिद परवेज, दिनेश कुमार, शांति देवी, सहदेव प्रसाद मेहता, गुलाम रसूल, यमुना पासवान, अनीता महिला मंडल, बद्री प्रसाद यादव, नंदलाल गिरी मौजूद थे।

डीवीसी मैथन में हुआ पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददता

चिरकुंडा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में डीवीसी मैथन पौधारोपण किया गया। शुरूआत डीवीसी के आनंद विहार कॉलोनी स्थित अमरूद बागान से की गयी। इस दौरान 30 पौधे अमरूद बागान में लगाये गये जबकि सीएसआर के तहत करीब 1000 पौधे मैथन परियोजना के आस पास के गांववालों को वितरित किया गया। परियोजना प्रमुख अंजनी कुमार दुबे ने पौधारोपण की शुरूआत की। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता असैनिक संजीत सिन्हा, मुख्य अभियंता संचार जयंत बनर्जी, मुख्य अभियंता टीएससी राम स्नेह शर्मा, उप मुख्य अभियन्ता मदन सेन, उप मुख्य अभियंता रौशन लकड़ा, उपमहाप्रबंधक प्रशासन अनूप पुरकायस्थ , अधीक्षण अभियंता लोमस कुमार, जन संपर्क अधिकारी श्री संजय प्रियदर्शी भी थे।

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–प्राचार्य का कार्यालय, जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट।

नाशपाती फल नीलामी सूचना।
वर्ष–2023–24

जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट परिसर के नाशपाती बागान में लगे फलों को तोड़ने की नीलामी दिनांक–15.06.2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे, पुलिस अधीक्षक महोदय, जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट के द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष पुलिस उपाधीक्षक श्री कृष्ण कुमार महतो एवं सदस्यों के समक्ष प्रशासनिक भवन के कन्फ्रेन्स हॉल में किया जायेगा जिसके लिए इच्छुक व्यक्तियों से दिनांक–14.06.2023 को शाम 05:00 बजे तक कार्यअवधि में निविदा आमंत्रित किया जाता है।

क्र0सं0	बागानों का नाम	नाषपाती फल वृक्षों की सं0	निम्नतम बोली की प्रारंभिक राशि	जमानत की राशि (रूपये में)
1	2	3	4	5
1.	बागान "ए" (CLI आवास के सामने)	316 (लगभग)	3,00,000.00 (तीन लाख) रू0	50,000 रू0
2.	बागान "बी" (मैग्जीन सुरक्षा गार्ड क्षेत्र)	67 (लगभग)	66,550.00 (छियासठ हजार पाँच सौ पचास) रू0	
3.	बागान "सी" (नाला के उस पार पूर्वी भाग)	187 (लगभग)	5,12,435.00 (पाँच लाख बारह हजार चार सौ पैंतीस) रू0	

इच्छुक व्यक्ति किसी भी दिन कार्यअवधि में जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट में नाशपाती फल निलामी हेतु गठित कमिटी के अध्यक्ष एवं सदस्यों से अनुमति प्राप्त कर फल बागान देख सकते है। फलों को तोड़ने की नीलामी की शर्ते निम्न प्रकार हैः–

1 बागानों के सामने अंकित जमानत की राशि पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह प्राचार्य, जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट के पदनाम से चेक या कैश के रूप में भुगतान/देय होगा, जो नीलामी के पूर्व जमा करना होगा। सफल अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति की जमानत की राशि कार्यालय द्वारा रखी ली जायेगी और अन्य असफल व्यक्तियों की जमानत राशि नीलामी के समाप्ती के पश्चात वापस कर दी जायेगी।
2 नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति अपना पहचान के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत फोटो पहचान पत्र/वाहन चालन का अनुज्ञप्ति पत्र/पेन कार्ड/आधार कार्ड नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व मूल रूप से प्रस्तुत करेंगे तथा संबंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति जमा करेंगे।
3 नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को अपना आवास संबंधित सत्यता के लिए कार्यपालक दण्डाधिकारी का शपत–पत्र मूल रूप से नीलामी के पूर्व जमा करना होगा।
4 अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति को दिनांक–15.06.2023 को फलों का निलामी का एकरारनमा करना होगा तथा अधिकतम नीलामी राशि का 50 प्रतिशत राशि तीन दिनों के अंदर पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–प्राचार्य का कार्यालय जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट के लेखा शाखा में जमा करना होगा (जमानत की राशि उसमें सामंजित की जायेगी) ऐसा नहीं करने पर उनकी जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा नीलामी रद्द कर अन्य व्यक्ति के साथ नीलामी करने के लिए समिति को अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5 फल तोड़ने के पूर्व नीलामी की शेष राशि को एक मुस्त हर हाल में जमा करना अनिवार्य होगा।
6 अधिकतम बोली वाले व्यक्ति को फलों की देख–भाल एवं सुरक्षा करने का दायित्व स्वयं होगा जो समिति के कार्यो के अनुरूप कार्य का संपादन करेंगे।
7 फल तोड़ते समय यह ध्यान देना होगा कि फल के पेड़ या उसकी डाली क्षतिग्रस्त ना होने पाये यदि क्षति हुई तो नीलामी लेने वाले व्यक्ति से पेड़ की क्षति का मुआवजा क्षति के अनुरूप वसूल किया जायेगा।
8 संस्थान के हित में यदि नीलामी का राशि समिति द्वारा निर्धारित दर से कम आता है तो नीलामी को रद्द करते हुए पुनः तिथि निर्धारित कर नीलामी की जायेगी।
9 नीलामी में भाग लेने वाले सभी पदाधिकारियों सदस्यों एवं निविदाकर्त्ताओं को कोविड–19 के सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य होगा।
10 समिति को यह अधिकार होगा की बिना कारण बताये नीलामी कि शर्तो में आंशिक संशोधन अथवा पूर्ण रूप से रद्द कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक,
जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट।

PR 299159 Police(23-24)D

गर्मी छुट्टी के लिए आंगनबाड़ी यूनियन ने उपायुक्त को दिया ज्ञापन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) ने भीषण गर्मी को देखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों में गर्मी छुट्टी के लिए सोमवार को आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी, जिला सचिव वर्षा रानी व गीता देवी की तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर आंगनबाड़ी बच्चों के लिए गर्मी छुट्टी की मांग किया। यूनियन की ओर से ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कई दिनों से पूरे कोडरमा जिला में अत्यधिक गर्मी पड़ रही है और तापमान 40 डिग्री के उपर चल रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र में स्कूलों से भी छोटे 3 से 6 वर्ष तक के गरीब घर के छोटे बच्चे आते हैं और जिनके पैरों में चप्पल भी नहीं होता है, जिससे आंगनबाड़ी आने-जाने में उनका पैर भी जलता है। गर्मी के कारण बच्चे भी केन्द्र में कम आते हैं और केन्द्र चलाने में काफी दिक्कत हो रहा है। ज्ञापन में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के पत्र का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें झारखंड सरकार के आप्त सचिव अभय नंदन अम्बष्ट ने राज्य के सभी उपायुक्तों को अत्यधिक गर्मी को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्र संचालन के लिए दिशानिर्देश जारी किया है। आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने गरीब बच्चों के तकलीफ को ध्यान में रखते हुए अविलंब केन्द बंद करने का आग्रह किया है।

बडासी पंचायत भवन में जदयू महिला प्रकोष्ठ की बैठक

आजाद सिपाही संवाददता

हजारीबाग। जनता दल यूनाइटेड महिला प्रकोष्ठ की बैठक सदर प्रखंड के बडासी पंचायत भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कंचन देवी ने किया और संचालन महिला नेत्री प्रीति राणा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से संजू देवी को बड़ासी पंचायत का जदयू अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में जिला जदयू महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष खुशबू कुमारी उपस्थित थी। बैठक में जिला टीम से जिला अध्यक्ष प्रभु दयाल कुशवाहा ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है हम सबको पर्यावरण स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा भी करनी चाहिए। महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। हमारा संगठन जनता दल यूनाइटेड हजारीबाग में प्रत्येक प्रखंडों में महिला संगठन सहित मेन विंग को मजबूत करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है और इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। अब जनता दल यू का संगठन हजारीबाग में दिखने लगा है। प्रदेश सचिव मिथिलेश सिंह ने कहा की हर एक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। मौके पर सदर प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद कुशवाहा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष खुशबू कुमारी, जिला सचिव पिंकी देवी, संजू देवी, सारो देवी, रुकनी देवी, बाली कुमारी आदि उपस्थित थीं।

एनआइआरएफ भारतीय रैंकिंग 2023 में किट को मिला 16वां स्थान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट डीम्ड यूनिवर्सिटी ने प्रतिष्ठित एनआइआरएफ भारतीय रैंकिंग 2023 में 16वां स्थान हासिल कर 2023 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित यह वार्षिक रैंकिंग अभ्यास, विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों का मूल्यांकन करता है। राष्ट्रीय स्तर पर गत वर्ष कीट की रैंकिंग 20वीं थी। किट अब एक प्रभावशाली छलांग शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुकंपा

आउटरीच के प्रति संस्थान के समर्पण को दर्शाती है। किट ने 44वां स्थान हासिल कर देश के शीर्ष 50 शोध विश्वविद्यालयों में भी जगह बनायी है।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कीट और कीस के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि दौड़ प्रतियोगिता में धीमी और सतत दौड़ते रखनेवाला ही जीतता है। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, कीट एक गुणात्मक संस्थान के रूप में विकसित हुआ है।

बाहानगा रेल हादसा : परिजनों को शव सौंपने की प्रक्रिया जारी

ट्रेन हादसे में अब तक 170 शवों की पहचान : मुख्य शासन सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बालेश्वर जिला बहानगा ट्रेन हादसे के बाद शव सौंपने की प्रक्रिया जारी है। परिजनों और संपर्कियों लोगों ने अलग-अलग अस्पतालों में शवों को लेने के लिए का इंतजार कर रहे हैं। कुछ शवों को उनके परिवारों को सौंप भी गया है। हालांकि प्रशासन शवों का हस्तांतर में हर संभव सहयोग कर रहा है। अब तक 170 शवों की पहचान हो चुकी है। शवों को परिजनों को सौंपने की तैयारी की जा रही है। मुख्य प्रशासनिक सचिव प्रदीप जेना ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

70 मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख दिये गये

भुवनेश्वर बालेश्वर । रेल विभाग ने मृतकों के परिजनों को सहायता प्रदान की है। इसको लेकर खड़गपुर मंडल के सीनियर डीसीएम ने की घोषणा। खबरों के मुताबिक बाहानगा ट्रेन हादसे में 275 लोगों की मौत हुई थी और 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसी कड़ी में बालेश्वर में मृत 70 लोगों के परिवारों को सहायता प्रदान की गयी है। रेल विभाग ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये प्रदान दिये हैं। इस सहायता के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चिन्हित शवों को उनके पते पर पहुंचाने के लिए राज्य सरकार की ओर से सभी इंतजाम किया गया हैं। राज्य सरकार ने इसके लिए निःशुल्क सभी व्यवस्थाएं की हैं। उम्मीद है कि जल्द से जल्द सभी चिन्हित शवों के प्रमाण पत्र जारी कर दिये जायेंगे। इस हादसे में कुल 1207 लोगों का सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इनमें से 1009 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है।

विवाद की स्थिति में शवों का डीएनए टेस्ट कराया जायेगा

प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एक लाश के कई दावेदार हैं। हालांकि बीएमसी कमिश्नर विजय अमृत कुलांगे ने कहा कि शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। बीएमसी कमिश्नर ने कहा कि कई शवों की अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। अधिकांश शवों की पहचान अवस्था में नहीं है। ऐसे में उन्हें पहचान में दिक्कत होती है। वहीं विकास आयुक्त अनु गर्ग ने कहा कि शवों को उनके पते तक पहुंचाने के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। पहचान के बाद मुफ्त एंबुलेंस सेवा भी प्रदान की जाती है। शवों के डिस्पोज के लिए एक विशेष टीम आ गयी है। प्रत्येक अस्पताल में बीएमसी की तरफ से एक डेपुटी कमिश्नर, दो वार्ड अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बीएमसी आयुक्त विजय अमृता कुलांगे और वरिष्ठ अधिकारी नियंत्रण कक्ष में रह कर परिचालनाकर रहे है।

संबलपुर मंडल में पौधा लगा कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। पर्यावरण और प्रकृति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 5 जून को संबलपुर मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्टेशनों और कालोनियों में वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आम जनता को जागरूक करने के लिए रेलवे स्टेडियम से रेल नगर गेट तक प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के बीच निबंध, प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिता हुई। रेलवे कॉलोनियों, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय और मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर जागरूकता बैनर प्रदर्शित किए गये। इस अवसर पर रेल नगर संबलपुर के चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां संबलपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनीत सिंह ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त आनंद सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर, अध्यक्ष पूर्व तट रेल महिला कल्याण संगठन, संबलपुर अंजनी सिंह और पूर्व तट रेल महिला कल्याण संगठन के अन्य सदस्यों, सभी रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

एमसीएल में महाप्रबंधक मधुसूदन शर्मा ने पर्यावरण ध्वज फहराया

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2023 मनाया, जिसमें कर्मचारियों ने अपने दैनिक जीवन में संपोषणीय व्यवहारों को अपनाने का संकल्प लिया। यहां कंपनी मुख्यालय में, मधुसूदन शर्मा, महाप्रबंधक (पर्यावरण और वन) ने पर्यावरण ध्वज फहराया, जो पर्यावरण संरक्षण और संपोषणीय खनन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।विभिन्न विभागों के प्रमुख अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ इस अवसर पर शामिल हुए, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण और अगली पीढ़ी के लिए हरित भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष, कोल इंडिया के संदेश का वाचन भी किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के अवसर पर विभागाध्यक्षों और महाप्रबंधकों ने मुख्यालय परिसर में पौधे रोपे। उल्लेखनीय है कि कंपनी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन सप्ताह भर लंबी श्रृंखला के रूप में किया गया।

जिंदल स्टील एंड पावर ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। अंगुल जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) ने स्थिरता के अपने मूल सिद्धांत का पालन करते हुए कई कार्यक्रमों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2023 मनाया। पर्यावरण की बहाली के लिए प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने के लिए अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम के अनुरूप अवलोकन की शुरुआत 'ए रन फॉर एनवायरनमेंट' से हुई। इसमें हृदयेश्वर झा कार्यकारी निदेशक एवं स्थान प्रमुख दामोदर मित्तल कार्यकारी निदेशक- कच्चा माल और लोहा बनाना, कार्यक्रम में भाग लेने वालों ने जेएसपी परिसर के अंदर 500 से अधिक पौधा रोपण किये। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में अपने संदेश में, जेएसपी के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने अपील की। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री झा ने रीसाइक्लिंग और पुनः उपयोग के लिए इसे सुविधाजनक बनाने के लिए घरेलू स्तर पर घरेलू कचरे के उचित पृथक्करण पर जोर दिया। इस अवसर पर पौधरोपण स्थल पर पर्यावरण पर स्पॉट क्विज का भी आयोजन किया गया और अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष आलोक साहू ने किया। जेएसपी की सामाजिक शाखा जेएसपी फाउंडेशन ने बेणागाड़िया ग्राम विकास समिति के सहयोग से बेणागाड़िया हाई स्कूल में सामुदायिक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया।

पौधरोपण अभियान का उद्घाटन पुष्पलता सतपथी महाप्रबंधक-सीएसआर जेएसपी ने किये। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए जेएसपी फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिंदल ने कहा, आइए, महासागरों, मिट्टी और जंगलों को अपूरणीय क्षति पहुंचाने वाले प्लास्टिक को खत्म कर अपने ग्रह की रक्षा करें।

बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय कटक ने पौधरोपण किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, कटक द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय, कटक के क्षेत्रीय प्रमुख रणजीत कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख, निर्बिकार रथ एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा 35 पौधारोपण किये गये।

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा इस वर्ष की थीम: धरती को हरित बनायें, डिजिटल परिवर्तन लाएं के साथ, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर बैंक के कार्यालयों एवं शाखाओं में वृहद पैमाने पर पौधारोपण का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों द्वारा पौधारोपण कर उनके संरक्षण की भी शपथ ली गयी।

लघु फिल्म समीक्षा लेखन प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारतीय स्टेट बैंक के संयोजन में कार्यरत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भुवनेश्वर देश की प्रतिष्ठित समितियों में से एक है। इस समिति को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं बीमा कंपनियों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा देश के विभिन्न शहरों में इन समितियों का गठन किया गया है। भुवनेश्वर में कार्यरत नगर समिति भी इन समितियों में से एक है।

समिति के सदस्य कार्यालय समिति की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहते हैं। इसी क्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर द्वारा लघु फिल्म समीक्षा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न बैंकों एवं बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख राजीव कृष्णा द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित किया गया और राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**